संस्थापक : स्व . श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
गुरुवार
26 नवंबर, 2026
वर्ष:25 अंक: 153
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

गुरु रविदास जी के समरसता संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनी समरसता संकल्प यात्रा : डॉ. अर्चना गुप्ता



पेज-8

रिकॉर्ड विदेशी निवेश और सस्ते कच्चे तेल के दम पर रुपया वित्त वर्ष 2027 के उच्चतम स्तर पर पहुंचा



नई दिल्ली- भारतीय रुपया बुधवार को चालू वित्त वर्ष के अपने सबसे मजबूत स्तर पर पहुंच गया। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की रिकॉर्ड खरीदारी, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और डॉलर की मांग-आपूर्ति की स्थिति में सुधार के चलते भारतीय मुद्रा में मजबूती देखने को मिली।

दिन के कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.74 के स्तर पर खुला, जबकि सोमवार को यह 92.91 पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान इसमें और मजबूती आई और यह करीब आठ महीने के उच्च स्तर 92.1850 तक पहुंच गया।

दिन के अंत में रुपया 92.23 प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जो दिनभर में लगभग 0.7 प्रतिशत की बढ़त को दर्शाता है।

वहीं, नवंबर महीने में अब तक भारतीय मुद्रा में 2.9 प्रतिशत की मजबूती दर्ज की जा चुकी है। मंगलवार को अवकाश के कारण भारतीय वित्तीय बाजार बंद रहे थे।

रुपए में यह तेजी ऐसे समय आई जब भारतीय शेयर बाजारों में भी मजबूत उछाल देखने को मिला। विदेशी निवेशकों की लगातार खरीदारी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने बाजार धारणा को सकारात्मक बनाए रखा।

बाजार आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजारों में रिकॉर्ड 14.28 अरब डॉलर का निवेश किया है। वैश्विक स्तर पर तकनीकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े शेयरों से पूंजी निकलकर अन्य बाजारों की ओर जाने से भारत को इसका लाभ मिला है।

आई थीम से जुड़े वैश्विक निवेशों में आई कमजोरी ने भारत के लिए अवसर पैदा किया है। इसी कारण भारतीय शेयर सूचकांक अप्रैल 2020 के बाद अपने सर्वश्रेष्ठ मासिक प्रदर्शन की ओर बढ़ते दिखाई दे रहे हैं।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियों में रुपया आगे भी मजबूत रुख बनाए रख सकता है। उनका अनुमान है कि यूएसडी/आईएनआर विनिमय दर निकट भविष्य में 91.50-92.00 के दायरे का परीक्षण कर सकती है।

हालिया रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि वैश्विक निवेशकों का रुझान एआई-केंद्रित बाजारों से हट रहा है। एनवीडिया से जुड़े घटनाक्रमों और उन्नत चिप निर्यात पर अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते तकनीकी शेयरों पर दबाव बढ़ा है। इसके परिणामस्वरूप निवेशकों ने ताइवान और दक्षिण कोरिया जैसे टेक-प्रधान बाजारों से पूंजी निकालकर अन्य विकल्पों की ओर रुख करना शुरू किया है।

इसके अलावा, अमेरिका में 3 नवंबर को हुए मध्यावधि चुनावों के बाद एआई क्षेत्र से संबंधित संभावित सख्त नीतियों की आशंका ने भी तकनीकी शेयरों पर दबाव बढ़ाया है।

भगवंत मान सरकार ने पेराई सीजन 2026-27 के लिए गन्ने का भाव बढ़ाकर 431 प्रति क्विंटल किया



हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। गन्ना उत्पादक किसानों को बड़ा तोहफा देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पेराई सीजन 2026-27 के लिए गन्ने का भाव बढ़ाकर 431 प्रति क्विंटल करने की घोषणा की, जो पूरे देश में गन्ने की सबसे अधिक कीमत है। यहां उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह फैसला किसान समुदाय के कल्याण और आर्थिक समृद्धि के प्रति राज्य सरकार की अटूट प्रतिबद्धता दर्शाता है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'पंजाब के गन्ना उत्पादक किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी। हमारी सरकार ने पेराई सीजन 2026-27 के लिए गन्ने का भाव बढ़ाकर 431 प्रति क्विंटल कर दिया है, जो पूरे देश में सबसे अधिक है। किसानों के लिए सुविधा सुनिश्चित करने के लिए राज्य भर की शुगर मिलें 25 नवंबर, 2026 से कामकाज शुरू करेंगी। हमारी सरकार हमारे अन्नदाताओं की समृद्धि के लिए उनकी फसलों का पूरा बाजार मूल्य दिलाने के लिए दृढ़ है।'

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'यह पंजाब के मेहनती गन्ना उत्पादक किसानों के लिए बड़ी पहल है। हमारी सरकार ने 2026-27 सीजन के लिए गन्ने का भाव बढ़ाकर 431 प्रति क्विंटल कर दिया है, जो देश में सबसे अधिक है। इस बढ़ोतरी से राज्य भर के हजारों गन्ना उत्पादक किसानों को बड़ी वित्तीय राहत मिलेगी।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान देश का पेट भरने और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए दिन-रात अथक मेहनत करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह सरकार की जिम्मेदारी है कि उनकी कड़ी मेहनत का बनता पूरा मूल्य मिले। उन्होंने कहा, 'किसान हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और पंजाब की समग्र प्रगति तथा आर्थिक समृद्धि के लिए किसानों का समृद्ध होना बहुत जरूरी है। हमारी सरकार किसानों के हितों की रक्षा करने, उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने और उनकी उपज का लाभकारी भाव सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।'

मोटी-मोटी बातें

श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने श्री दरबार साहिब में माथा टेका और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली के लिए की अरदास



हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर अमृतसर स्थित सचखंड श्री हरमंदिर साहिब (श्री दरबार साहिब) पहुंचकर माथा टेका और गुरु घर में अपनी श्रद्धा एवं आस्था प्रकट की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गुरु साहिब के चरणों में नमन करते हुए देश और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए अरदास की। उन्होंने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं को अपनाते हुए हम सभी को मानवता, सेवा, समानता, भाईचारे और सद्भाव के मार्ग पर चलना चाहिए।

पंजाब सरकार आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की प्रत्येक जायज मांग को प्राथमिकता के आधार पर हल करेगी: डॉ. बलजीत कौर

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब सरकार ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के कल्याण के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराते हुए सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने आज विभिन्न आंगनवाड़ी यूनियनों के प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि उनकी सभी जायज सेवा संबंधी एवं कल्याण से जुड़ी मांगों का पारदर्शी, समयबद्ध तरीके से प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा।

पंजाब भवन में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की यूनियनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के अधिकारों एवं हितों की पूरी तरह रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही प्रदेश में महिला एवं बाल विकास सेवाओं को अधिक प्रभावी और सुदृढ़ बनाने के लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यबल जमीनी स्तर पर प्रभावशाली सेवाएं उपलब्ध करवाने तथा स्वस्थ, समावेशी और रंगला पंजाब के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कैबिनेट मंत्री ने यूनियनों के प्रतिनिधियों के साथ विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श करते हुए उनकी मांगों, सुझावों और समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने आश्वासन दिया कि विभाग के अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी मामलों का तत्काल समाधान किया जाएगा, जबकि नीतिगत निर्णयों से संबंधित मामलों को सक्षम प्राधिकारी के समक्ष उठाकर जल्द हल करवाने के प्रयास किए जाएंगे।

'बस एक शब्द में कहें तो यह जबरदस्त तबाही थी', वैभव की ऐतिहासिक पारी से पूरा ड्रेसिंग रूम था हैरान



दोहा। एशिया कप मेंस राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में यूएई के खिलाफ वैभव सूर्यवंशी की ऐतिहासिक 204 रनों की पारी ने भारत-ए के ड्रेसिंग रूम को हैरान कर दिया है। कप्तान तिलक वर्मा, उप-कप्तान रिंकू सिंह और सपोर्ट स्टाफ, सभी ने 15 साल के इस खिलाड़ी की पारी की जमकर तारीफ की। मंगलवार को बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 53 गेंदों पर 204 रन बनाए, जिसमें 7 चौके और 28 छक्के शामिल थे। इसके साथ ही उन्होंने लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक, 150 रन और दोहरा शतक लगाने का नया रिकॉर्ड बनाया, साथ ही इस फॉर्मेट की एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। बुधवार को बीसीसीआई की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में भारत-ए के कप्तान तिलक वर्मा ने कहा, 'उनकी पारी के बारे में ज्यादा कुछ कहने की जरूरत नहीं है। सबने देखा कि उन्होंने कैसे बल्लेबाजी की, बस एक शब्द में कहें तो यह जबरदस्त तबाही थी। मुझे लगता है कि हमने 5 ओवरों में ही मैच खत्म कर दिया था। 5 ओवरों में हमारा स्कोर 1 विकेट पर 100 रन था। वहां से उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी जारी रखी, 14 ओवरों में ही हम 250 रनों का लक्ष्य हासिल कर रहे थे। यह वाकई शानदार था।'

पंजाब खेल विभाग द्वारा 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2026' के लिए सिलेक्शन ट्रायलों का ऐलान

चंडीगढ़- पंजाब के खेल निदेशालय ने दिसंबर 2026 में तेलंगाना में होने वाले 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2026' के लिए प्रांतीय टीम के चयन हेतु ट्रायल का ऐलान किया है। विभाग के प्रवक्ता के अनुसार, ये चयन ट्रायल राज्य भर में विभिन्न स्थानों पर अलग-अलग खेलों के लिए करवाए जाएंगे। इन ट्रायल में केवल 18 वर्ष से कम आयु (अंडर-18) वर्ग के खिलाड़ी, जिनका जन्म 1 जनवरी 2009 को या उसके बाद हुआ हो, ही भाग ले सकते हैं। ये चयन ट्रायल विभिन्न खेलों के लिए पंजाब के अलग-अलग स्थानों पर सुबह 10:00 बजे शुरू होंगे। 27 नवंबर 2026 को, पटियाला के पोलो ग्राउंड में बास्केटबॉल (लड़के) और सॉफ्टबॉल (लड़के व लड़कियां) के लिए; लुधियाना के गुरु नानक स्टेडियम में वॉलीबॉल (लड़के) के लिए; फगवाड़ा के गुरु नानक कॉलेज में फुटबॉल (लड़के) के लिए; जालंधर के सुरजीत हॉकी स्टेडियम में हॉकी (लड़के) के लिए और फरीदकोट के नेहरू स्टेडियम में कबड्डी (लड़कियां - 65 किलोग्राम) के लिए ट्रायल होंगे।

देश के संविधान और लोकतंत्र को कमजोर बनाने का काम रही कांग्रेस: राजनाथ सिंह



कलबुर्गी। कर्नाटक के कलबुर्गी में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' सभा का आयोजन किया गया है। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक जनसभा को संबोधित किया। रक्षा मंत्री ने कहा कि कलबुर्गी की यह भूमि वह भूमि है, जहां सनातन परंपरा के प्राचीन मंदिर हैं। यहां भगवान बुद्ध की प्राचीन विरासत है और जैन धर्म के भी ऐतिहासिक स्थल हैं। यह भूमि भगवान दत्तात्रेय की आराधना का केंद्र रही है। कर्नाटक देश के उन राज्यों में से एक है, जो भारतीय जनता पार्टी के साथ पूरी मजबूती और ताकत के साथ खड़ा रहा है। भाजपा की यात्रा को आगे बढ़ाने में कर्नाटक के अनेक समर्पित कार्यकर्ताओं और येदियुरप्पा समेत कई बड़े नेताओं ने बड़ा योगदान दिया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारे नेताओं ने हमें सिखाया है कि राजनीति सत्ता हासिल करने के लिए नहीं, बल्कि देश और एक समाज बनाने के लिए की जानी चाहिए। इसलिए हम भारतीय जनता पार्टी के एक राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में काम कर रहे हैं। आज मैं लोकतंत्र की रक्षा के संकल्प लेने के लिए आपके बीच आया हूं। हम यहां संविधान की रक्षा का संकल्प लेने के लिए आए हैं, हम यहां देश के संवैधानिक संस्थानों की रक्षा के लिए एकजुट हुए हैं। उन्होंने कहा कि साथियों, आज हम कांग्रेस की उस राजनीति के खिलाफ आवाज उठाने के लिए आए हैं, जो देश में अराजकता और अशांति फैलाने के साथ-साथ देश के सर्वोच्च संस्थानों को कमजोर करने का काम कर रही है। कल 26 नवंबर है, लिहाजा पूरे देश में संविधान दिवस मनाया जाएगा। यह वही संविधान है, जिसने आजादी के बाद भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव रखने का काम किया था।

पाकिस्तानी सेना की गोलाबारी में बलूचिस्तान के मस्तुंग में एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत

क्वेटा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के मस्तुंग जिले में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की गोलाबारी में एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत और सैकड़ों लोगों के घायल होने का दावा किया गया है। स्थानीय बुजुर्गों और प्रतिनिधियों के एक दल ने स्थानीय मीडिया के हवाले से यह जानकारी दी। मस्तुंग की करदेगाप तहसील के प्रतिनिधियों ने मंगलवार को पाकिस्तान की नेशनल पार्टी के नेता अब्दुल मलिक बलूच से मुलाकात के दौरान क्षेत्र में सैन्य कार्रवाई से हुए नुकसान और स्थानीय लोगों की स्थिति के बारे में जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, चार यूनियन परिषदों में सैन्य अभियान से करीब 70 हजार लोग प्रभावित हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय निवासियों को अपने घर खाली करने के लिए 24 घंटे का समय दिया गया है। प्रतिनिधियों ने बताया कि मस्तुंग के गुरगिना इलाके में किल्ली पसुंद खान बाजार को जलाए जाने से करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। इस दौरान कई दुकानें, पशुधन, दर्जनों मकान और आभूषण भी कथित तौर पर नष्ट हो गए।

उन्होंने आरोप लगाया कि किल्ली गुफ्तारी और किल्ली खुरासानी की सभी दुकानों को आग के हवाले कर दिया गया। कृषि योजनाओं को बिजली उपलब्ध कराने वाले सौर ऊर्जा संयंत्रों को भी नुकसान पहुंचाया गया।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने दिखाई मजबूती; रिकॉर्ड निर्यात और विदेशी निवेश से मिला सहारा: आरबीआई

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को जारी अपने नवंबर बुलेटिन में कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के असमान प्रदर्शन और बढ़ती अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय मजबूती दिखाई है। केंद्रीय बैंक के अनुसार, अक्टूबर के दौरान घरेलू आर्थिक गतिविधियों से जुड़े उच्च आवृत्ति संकेतकों ने लचीलापन बनाए रखा, जिसे मजबूत ऋण मांग और आर्थिक गतिविधियों में निरंतर गति का समर्थन मिला। आरबीआई बुलेटिन के अनुसार, मजबूत निर्यात प्रदर्शन के कारण अक्टूबर में भारत का व्यापार घाटा पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में कम हुआ। वहीं, मजबूत कॉरपोरेट नतीजों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) के प्रवाह के कारण शेयर बाजारों में भी मजबूत वापसी दर्ज की गई। इसके अलावा, बाह्य वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) और एनआरआई जमा में शुद्ध प्रवाह भी मजबूत बना रहा। बुलेटिन में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष 2026-27 की तीसरी तिमाही में मजबूत कॉरपोरेट प्रदर्शन के साथ प्रवेश किया है। दूसरी तिमाही के नतीजों में इसका स्पष्ट संकेत देखने को मिला। अक्टूबर में त्योहारों की मांग ने आर्थिक गतिविधियों को और गति दी, जिससे उच्च आवृत्ति संकेतक सकारात्मक बने रहे। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह भी अक्टूबर में तेजी से बढ़ा और जुलाई 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद यह दूसरा सबसे बड़ा मासिक संग्रह स्तर रहा, जो उपभोग और आर्थिक गतिविधियों में मजबूती का संकेत माना जा रहा है। हालांकि बुलेटिन में यह भी कहा गया कि अक्टूबर में खुदरा महंगाई दर (सीपीआई) बढ़कर 6 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई। महंगाई बढ़ने का मुख्य कारण खाद्य एवं पेय पदार्थ श्रेणी रहा।

अमृतसर में 9 पिस्तौल, 1.3 किलोग्राम हेरोइन और 60 हजार रुपये की ड्रग मनी सहित सात गिरफ्तार

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़/अमृतसर- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने चार अलग-अलग अवैध हथियार और नशा तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस कार्रवाई के दौरान नौ अवैध पिस्तौलों, 1.313 किलोग्राम हेरोइन और 60,000 रुपये की ड्रग मनी सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रोशन लाल (42) निवासी गांव चीचा, अमृतसर; मनजीत सिंह उर्फ बीटा (33) निवासी गांव हेर, अमृतसर; जसबीर सिंह उर्फ बॉबी (24) और गुरलाल सिंह (26), दोनों निवासी अटारी, अमृतसर; शुभम भंडारी (32) निवासी ग्वाल वाली, अमृतसर; गुरभेज सिंह उर्फ भेजा (33) निवासी राजासांसी, अमृतसर तथा पवनदीप सिंह उर्फ साहिल (18) निवासी गांव नौशहरा ढल्ला, तरनतारन के रूप में हुई है।

आरोपियों के कब्जे से बरामद हथियारों में तीन 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल, एक 9 एमएम पीएक्स5 स्टॉर्म, चार .30 बोर और एक .32 बोर पिस्तौल शामिल हैं। इसके अलावा 13 जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला



है कि गिरफ्तार आरोपी कथित तौर पर विदेश में बैठे हैंडलरों के संपर्क में थे।

ये हैंडलर आपराधिक तत्वों को आगे आपूर्ति करने के लिए अवैध हथियार और नशीले पदार्थ उपलब्ध करवाते थे। उन्होंने बताया कि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने तथा अवैध हथियारों और नशा तस्करी के व्यापक नेटवर्क को जड़ से समाप्त करने के उद्देश्य से मामले की आगे-पीछे की कड़ियों की गहन जांच की जा रही है।

कार्रवाई का विवरण साझा करते हुए पुलिस कमिश्नर (सीपी) अमृतसर हरमनबीर सिंह गिल ने बताया कि पहले ऑपरेशन में पुलिस टीमों ने पुख्ता सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए रोशन लाल को 1.313 किलोग्राम हेरोइन और 60,000 रुपये की ड्रग मनी सहित गिरफ्तार किया।

केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के 40 वर्ष पूरे होने के बाद राज्य को मिलेगी 50 प्रतिशत मुफ्त बिजली रॉयल्टी

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राज्य सरकार ने स्वर्ण जयंती ऊर्जा नीति-2021 में संशोधन को मंजूरी प्रदान की है। इस संशोधन के तहत केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, जिनमें एनएचपीसी, एसजेवीएन और एनटीपीसी शामिल हैं, द्वारा संचालित जलविद्युत परियोजनाओं के संचालन शुरू होने के 40 वर्ष पूरे होने के बाद मिलने वाली मुफ्त बिजली रॉयल्टी को बढ़ाया जाएगा। संशोधित प्रावधानों के अनुसार, इन परियोजनाओं को 40 वर्ष पूरे होने के बाद अगले 10 वर्षों तक राज्य सरकार को 50 प्रतिशत की बढ़ी हुई दर से मुफ्त बिजली रॉयल्टी देनी होगी। इसके बाद, परियोजना संचालित होने के 50 वर्ष पूरे होने पर संबंधित परियोजनाएं सभी प्रकार की देनदारियों से मुक्त होने के बाद बिना किसी लागत के राज्य सरकार को हस्तांतरित कर दी जाएंगी। इन प्रावधानों को लागू करने के लिए संबंधित केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के साथ अलग-अलग समझौते किए जाएंगे।



वर्तमान में मौजूदा नीति के तहत राज्य को मुफ्त बिजली रॉयल्टी के रूप में पहले 12 वर्षों तक 12 प्रतिशत, आगामी 18 वर्षों तक 18 प्रतिशत और शेष 10 वर्षों तक 30 प्रतिशत बिजली प्रदान की जाती है। 30 सितंबर, 2024 को अधिसूचित प्रावधान मुख्य रूप से केंद्रीय और राज्य सार्वजनिक उपक्रमों तथा संयुक्त क्षेत्र की संस्थाओं को आवंटित या आवंटित की जाने वाली परियोजनाओं पर लागू थे। इस संशोधन के दायरे में प्रदेश की कई प्रमुख जलविद्युत परियोजनाएं आएंगी। इनमें एनएचपीसी की बैरा स्यूल, चमेरा-1, चमेरा-2, चमेरा-3, पार्वती चरण-2 और पार्वती चरण-3 परियोजनाएं शामिल हैं। वहीं, एसजेवीएन की नाथपा झाकड़ी और रामपुर परियोजनाएं तथा एनटीपीसी की कोल बांध परियोजना भी इसके अंतर्गत आएंगी। उल्लेखनीय है कि बैरा स्यूल जलविद्युत परियोजना वर्ष 1982 में शुरू हुई थी और इसे व्यावसायिक रूप से संचालित हुए 40 वर्ष से अधिक का समय हो चुका है।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और सरकार प्रदेशवासियों को अधिकतम लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य के प्राकृतिक संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि जलविद्युत राज्य की आय के प्रमुख स्त्रोतों में से एक है और यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि हिमाचल प्रदेश को अपने जल संसाधनों का उपयोग करने वाली परियोजनाओं में उसका उचित हिस्सा मिले।

गुरु रविदास जी की समरसता और समानता की विचारधारा का आधुनिक और व्यावहारिक रूप प्रधानमंत्री का 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास है : नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार गुरु रविदास जी के 'बेगमपुरा' के सपने को धरातल पर साकार करने के लिए दिन-रात समर्पित भाव से कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मूलमंत्र 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' वास्तव में गुरु रविदास जी की समरसता और समानता की विचारधारा का ही आधुनिक और व्यावहारिक रूप है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बुधवार को कुरुक्षेत्र के उमरी में संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज जी की 650 वीं पावन जयंती के उपलक्ष्य में निकाली जा रही समरसता संकल्प यात्रा के स्वागत समारोह कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यात्रा का उमरी में पहुंचने पर स्वागत किया और श्री गुरु रविदास महाराज की चरण पादुकाओं को सिर पर रखकर मंच तक पहुंचे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश वासियों को संविधान दिवस की बधाई व शुभकामनाएं देते हुए बाबा साहेब डा. भीम राव अंबेडकर और संविधान निर्माताओं को नमन किया।



मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि समरसता संकल्प यात्रा का उद्देश्य संत गुरु रविदास जी के समानता, समरसता, सेवा, सामाजिक न्याय और मानवता के संदेश को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा विभिन्न वर्गों को सामाजिक एकता के सूत्र में पिरोना है। उन्होंने कहा कि 18 नवंबर को जालंधर के डेरा सचखंड बल्लां से आरंभ हुई यह यात्रा 16 दिनों में लगभग 2,402 किलोमीटर का सफर तय करेगी। यह यात्रा हरियाणा के 8 जिलों से होते हुए 3 दिसंबर को गुरु जी की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर, वाराणसी पहुंचेगी।

उन्होंने कहा कि यह यात्रा गुरु रविदास जी के समता, भाईचारे, सामाजिक न्याय और सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय का जीवंत संदेश है। आज से साढ़े छह सौ वर्ष पूर्व, जब हमारा समाज तमाम तरह की कुरीतियों, ऊंच-नीच, भेदभाव और आडंबरों की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था, तब काशी की पावन धरती पर एक ऐसे दिव्य सूर्य का उदय हुआ, जिसने अपने ज्ञान और भक्ति के प्रकाश से पूरे विश्व को आलोकित कर दिया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भारतीय भक्ति परंपरा में संत रविदास जी का स्थान अद्वितीय है। गुरु रविदास जी संत के साथ-साथ महान समाज सुधारक, युग दृष्टा और मानवता के सच्चे पथप्रदर्शक थे।

न्यूज डायरी

हिमाचल कांग्रेस आज शिमला में संविधान रक्षा मार्च का आयोजन करेगी

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर वीरवार को संविधान दिवस पर प्रदेश कांग्रेस चौड़ा मैदान स्थित डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा से संविधान रक्षा मार्च का आयोजन करेगी। यह मार्च प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार के नेतृत्व में रिज मैदान स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समुख संविधान की प्रस्तवना को पढ़ कर सम्पन्न होगा। इस मार्च में प्रदेसभर से लगभग 10 से 15 हजार पार्टी कार्यकर्ता भाग लेंगे।

प्रदेश संगठन महासचिव विनोद जिंटा ने बुधवार को पार्टी नेताओं व पदाधिकारियों से बातचीत करते हुए इस मार्च की तैयारियों की समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संविधान दिवस पर देशभर में राहुल गांधी की संविधान रक्षा की आवाज को बुलंद कर रही है। इसी कड़ी में हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में इसका आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस मार्च में प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू, प्रदेश मामलों की प्रभारी रजनी पाटिल उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव प्रदेश मामलों के नव नियुक्त सह प्रभारी कमल कांत शर्मा,डॉक्टर राहुल राजभर के अतिरिक्त प्रदेश मंत्रिमंडल के सभी सदस्य विशेष तौर पर भाग लेंगे।

एनबीबीएल ने ई-चालान भुगतान की सुविधा के लिए उत्तराखंड ट्रैफिक पुलिस को अपने नेटवर्क से जोड़ा

हिन्द जनपथ

शिमला : एनपीसीआईभारत बिलपे लिमिटेड (एनबीबीएल), जो नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है. एनबीबीएल ने उत्तराखंड ट्रैफिक पुलिस विभाग को भारत कनेक्ट प्लेटफॉर्म पर ई-चालान श्रेणी के तहत बिलर के रूप में शामिल किया है। इस सुविधा के शुरू होने से नागरिक अब भारत कनेक्ट से जुड़े किसी भी यूपीआई या बैंकिंग ऐप के माध्यम से उत्तराखंड में जारी ट्रैफिक चालान का आसानी से भुगतान कर सकेंगे। यह एकीकरण ट्रैफिक चालान के भुगतान को अधिक सुविधाजनक बनाएगा और साथ ही राज्य में डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा देने के प्रयासों को भी समर्थन देगा।उत्तराखंड ट्रैफिक पुलिस हर महीने एक लाख से ज्यादा ट्रैफिक चालान जारी करती है, जबकि हर साल पांच लाख से ज्यादा चालान का भुगतान नहीं हो पाता है।

एनबीबीएल के एमडी और सीईओ डॉ. नूपुर चतुर्वेदी ने कहा उत्तराखंड ट्रैफिक पुलिस का भारत कनेक्ट नेटवर्क में स्वागत करते हुए खुशी महसूस कर रहे हैं। इस एकीकरण के जरिए हम उत्तराखंड के नागरिकों को आसान और सुविधाजनक डिजिटल भुगतान की सुविधा दे रहे हैं, जिससे वे अपने ई- चालान का भुगतान आसानी से कर सकेंगे।

कांगड़ा में यातायात व्यवस्था सुचारू बनाने के लिए डायवर्जन और वन-वे व्यवस्था लागू

हिन्द जनपथ

धर्मशाला: जिला मजिस्ट्रेट कांगड़ा हेमराज बैरवा ने मटौर चौक कांगड़ा में भारी यातायात दबाव एवं जाम की समस्या को देखते हुए यातायात व्यवस्था में अस्थायी बदलाव करने के आदेश जारी किए हैं। यह व्यवस्था जनसुविधा, यातायात नियंत्रण तथा मटौर चैक पर भीड़ कम करने के उद्देश्य से तत्काल प्रभाव से लागू होगी और आगामी आदेशों तक जारी रहेगी।

आदेशों के अनुसार पालमपुर, बैजनाथ एवं आसपास के क्षेत्रों से कांगड़ा की ओर आने वाली सभी लंबी दूरी की बसों, मल्टी-एक्सल, वोल्वो बसों तथा भारी मालवाहक वाहनों को कांगड़ा बाईपास के माध्यम से डायवर्ट किया जाएगा। इन वाहनों को मटौर चौक से गुजरने के बजाय निर्धारित वैकल्पिक मार्ग से कांगड़ा बस स्टैंड पहुंचना होगा।

मटौर चौक पर यातायात जाम से निजात दिलाने के लिए जिला प्रशासन ने जारी किए आदेश

इसी प्रकार कांगड़ा से धर्मशाला की ओर जाने वाली लंबी दूरी की बसों, मल्टी-एक्सल, वोल्वो बसों तथा भारी मालवाहक वाहनों को कांगड़ा बाईपास, फोरलेन होते हुए 53 मील और योल के रास्ते धर्मशाला भेजा जाएगा, ताकि मटौर चौक पर यातायात दबाव कम किया जा सके। इसके अतिरिक्त टांडा बाईपास से तहसील चैक कांगड़ा तक वन-वे यातायात व्यवस्था लागू की जाएगी। विपरीत दिशा में यातायात को पुलिस विभाग द्वारा चिन्हित वैकल्पिक मार्ग से नियंत्रित किया जाएगा।

जिला मजिस्ट्रेट ने एसएचओ कांगड़ा को यातायात व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन, पर्याप्त पुलिस कर्मियों की तैनाती तथा आवश्यक साइन बोर्ड और बैरिकेड लगाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि एंबुलेंस, अग्निशमन वाहनों सहित आपातकालीन सेवाओं को निर्बाध रास्ता उपलब्ध रहे।

प्रगति नगर को विकासात्मक सौगात, शिक्षा के विस्तार को मिली नई उड़ान : रोहित ठाकुर

हिन्द जनपथ

शिमला : शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा को सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम मानते हुए शैक्षणिक अधोसंरचना के विस्तार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था और रोजगारोन्मुखी तकनीकी शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं दूरदराज क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी आधुनिक सुविधाओं से युक्त बेहतर शैक्षणिक मंच उपलब्ध करवाना सरकार की प्रतिबद्धता है, ताकि प्रतिभा और परिश्रम के आधार पर प्रत्येक विद्यार्थी को आगे बढ़ने के समान अवसर प्राप्त हो सकें।



शिक्षा मंत्री ने आज कोटखाई तहसील के प्रगति नगर प्रवास के दौरान अटल बिहारी वाजपेयी राजकीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एबीवीजीआईईटी) में लगभग 10.62 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) भवन तथा 1.04 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित उठाऊ पेयजल योजना का उद्घाटन कर इन्हें जनता को समर्पित किया। एबीवीजीआईईटी, प्रगति नगर में किए गए विकासात्मक कार्यों, नए शैक्षणिक पाठ्यक्रमों का उल्लेख करते हुए कहा कि संस्थान में नवंबर 2023 में लगभग 73 करोड़ रुपये की लागत के विभिन्न विकासात्मक कार्यों के उद्घाटन एवं शिलान्यास किए गए थे। उन्होंने बताया कि नवंबर 2023 में संस्थान के 26 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित बीटेक विंग भवन का उद्घाटन किया गया। इसके अतिरिक्त 1.60 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित ऑडिटोरियम का लोकार्पण किया गया, जबकि लगभग 45 करोड़ रुपये की लागत से पॉलिटेक्निक विंग भवन का शिलान्यास किया गया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में लगभग 40 लाख रुपये की लागत से खेल परिसर का निर्माण तथा 1.50 करोड़ रुपये की लागत से मुख्य द्वार एवं परिसर के लैंडस्केप विकास का कार्य पूर्ण कर संस्थान को समर्पित किया गया।

नए पाठ्यक्रमों से तकनीकी शिक्षा का हुआ विस्तार

शिक्षा मंत्री ने कहा कि संस्थान में विकास को केवल भवन निर्माण तक ही सीमित नहीं रखा गया, बल्कि विद्यार्थियों की आवश्यकताओं और वर्तमान औद्योगिक एवं रोजगार बाजार की मांग के अनुरूप नए पाठ्यक्रम भी आरंभ किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 के बाद आईटीआई विंग में मैकेनिक इलेक्ट्रिकल व्हीकल, इंजीनियरिंग कॉलेज विंग में सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक तथा पॉलिटेक्निक विंग में सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2023 में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन में डिप्लोमा पाठ्यक्रम को पुनः आरंभ किया गया, जिसे पूर्व में बंद कर दिया गया था।

उन्होंने कहा कि इन शैक्षणिक पहलों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। वर्ष 2022 में संस्थान के तीनों विंग में विद्यार्थियों की कुल संख्या लगभग 950 थी, जो अब बढ़कर 1500 से अधिक हो गई है। यह संस्थान की बढ़ती शैक्षणिक प्रतिष्ठा, उपलब्ध सुविधाओं और तकनीकी शिक्षा के प्रति युवाओं के बढ़ते रुझान का प्रमाण है।

लंबित विकास कार्यों को शीघ्र पूरा करने के प्रयास

रोहित ठाकुर ने बताया कि संस्थान में विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों की सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए लगभग 8.50 करोड़ रुपये की लागत से बालक छात्रावास तथा लगभग 08 करोड़ रुपये की लागत से टाइप-IV आवासीय भवन संख्या-2 का निर्माण प्रस्तावित है। इन कार्यों के पूर्ण होने से संस्थान में आवासीय सुविधाओं का विस्तार होगा तथा विद्यार्थियों और कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी। उन्होंने कहा कि संस्थान की आवश्यकताओं और प्रबंधन द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों पर रकार गंभीरता से विचार कर रही है तथा लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

एमएसएमई क्षेत्र विकसित भारत / 2047 की परिकल्पना को साकार करने में निभा रहा है महत्वपूर्ण भूमिका: राज्यपाल



हिन्द जनपथ

शिमला : राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र भारत की आर्थिक प्रगति के उत्प्रेरक के रूप में कार्य कर रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत/2047 के विजन को साकार करने में यह क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

राज्यपाल ने आज सिरमौर जिले के काला अंब में लघु उद्योग भारती की काला अंब इकाई द्वारा आयोजित एक समारोह में एंबुलेंस को जनसेवा के लिए समर्पित किया। इस अवसर पर लेडी गवर्नर बिंदु गुप्ता भी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर जनता को संबोधित करते हुए उन्होंने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि औद्योगिक प्रगति के साथ सामाजिक जिम्मेदारी और मानवता की सेवा भावना भी जुड़ी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एंबुलेंस को जनसेवा के लिए समर्पित करना औद्योगिक जगत की समाज के प्रति संवेदनशीलता, प्रतिबद्धता और सामूहिक जिम्मेदारी का प्रतीक है। राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में एमएसएमई क्षेत्र के महत्वपूर्ण योगदान का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि देशभर में 7.47 करोड़ से अधिक पंजीकृत एमएसएमई इकाइयां 32 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवा रही है। इसके अतिरिक्त, ये इकाइयां देश की जीडीपी, विनिर्माण और निर्यात में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र सरकार ने छोटे उद्यमियों को सशक्त बनाने, सुगम संस्थागत वित्तीय पहुंच, तकनीकी उन्नति को बढ़ावा देने और कारोबार करने की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कई परिवर्तनकारी कदम उठाए हैं।

युवाओं की खेल प्रतिभा और इंदौरा की समृद्ध संस्कृति को मंच देना हमारा लक्ष्य : मलेंद्र राजन

इंदौरा: इंदौरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक मलेंद्र राजन ने आज आगामी खेलो हिमाचल गेम्स एवं इंदौरा उत्सव के आयोजन की तैयारियों को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में दोनों आयोजनों को सफल, व्यवस्थित और आकर्षक बनाने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

विधायक ने अधिकारियों को आयोजन से संबंधित आवश्यक तैयारियां समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, व्यवस्थाओं, प्रतिभागियों की सुविधाओं तथा आयोजन को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने पर विशेष जोर दिया।

मलेंद्र राजन ने कहा कि खेलो हिमाचल गेम्स युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करेंगे, जबकि इंदौरा उत्सव क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और लोक कला को एक मंच पर लाने का माध्यम बनेगा।

उन्होंने कहा कि युवाओं के उत्साह और क्षेत्र की समृद्ध परंपराओं को एक मंच पर लाने के लिए प्रदेश सरकार एवं स्थानीय प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। इन आयोजनों के माध्यम से क्षेत्र में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ



स्थानीय कलाकारों और प्रतिभाओं को भी उचित मंच उपलब्ध करवाया जाएगा।

विधायक ने सभी संबंधित विभागों से आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने का आह्वान किया, ताकि आगामी आयोजन क्षेत्रवासियों के लिए यादगार बन सकें।

बैठक में एसडीएम सुरिंदर ठाकुर सहित विभिन्न स्कूलों के प्रधानाचार्य, डीपी विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विक्रमादित्य सिंह ने तीसरे वर्ल्ड मेयर्स फोरम समिट-2026 में प्रदेश की सतत शहरी विकास पहलों पर प्रस्तुति दी

हिन्द जनपथ

शिमला : शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने मुंबई में आयोजित तीसरे वर्ल्ड मेयर्स फोरम समिट-2026 को संबोधित करते हुए सतत शहरी विकास, वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन और डिजिटल गवर्नेंस के क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश की पहलों एवं उपलब्धियों पर प्रस्तुति दी।



विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि हिमाचल भौगोलिक रूप से एक पहाड़ी राज्य है और यहां शहरी क्षेत्रों में नियोजित विकास गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। शिमला, धर्मशाला, सोलन, मंडी और मनाली जैसे शहर पर्यटन, धार्मिक यात्रा और व्यावसायिक गतिविधियों के प्रमुख केंद्र हैं। यहां वर्षभर बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन रहता है। उन्होंने कहा कि पहाड़ी राज्य की भौगोलिक एवं पर्यावरणीय चुनौतियों को देखते हुए शहरी नियोजन के लिए सतत और पर्यावरण अनुकूल दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है।

शहरी प्रशासन को मजबूत बनाने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पंचायतों सहित कुल 76 शहरी स्थानीय निकाय हैं। इन संस्थाओं का सशक्तिकरण और नागरिक सेवाओं में सुधार करना राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत राज्य सरकार द्वारा ठोस कचरा प्रबंधन में सुधार किया जा रहा है। इसमें कचरे का स्रोत पर ही पृथक्करण, घर-घर से कचरा संग्रहण, परिवहन, प्रसंस्करण और वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण शामिल है। राज्य सरकार द्वारा सीएसआईआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, हैदराबाद के सहयोग से चयनित शहरी स्थानीय निकायों में छोटे स्तर के गीले कचरे से बायोगैस बनाने वाले संयंत्र स्थापित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, निर्माण इत्यादि कार्यों से निकलने वाले कचरे के प्रसंस्करण संयंत्र की स्थापना के लिए नार्वे की संस्था एसआईएनटीईएफ के साथ भी समझौता किया गया है। उन्होंने कहा कि पोर्टल के माध्यम से 138.70 करोड़ रुपये से अधिक की राजस्व मांग सृजित की गई है।

राज्यपाल एवं लेडी गवर्नर ने छत्रधारी चालदा महासू महाराज मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की

हिन्द जनपथ

शिमला : राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने कहा कि भारत की सदियों पुरानी देव संस्कृति और समृद्ध सनातन परंपराएं हमारी आध्यात्मिक शक्ति, चेतना, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का आधार हैं। उन्होंने इस अमूल्य विरासत को भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित एवं संवर्धित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

राज्यपाल ने लेडी गवर्नर बिंदु गुप्ता के साथ बुधवार को शिलाई विधानसभा क्षेत्र के पशमी गांव में श्री छत्रधारी चालदा महासू महाराज के पावन मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

इस अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान शिव के स्वरूप में पूजनीय श्री



छत्रधारी चालदा महासू महाराज सत्य, न्याय, धर्म और लोक कल्याण के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि देवता के गांव भ्रमण की अनूठी परंपरा समाज में सौहार्द, पारस्परिक सम्मान और सामूहिक आस्था की भावना को दर्शाती है।

राज्यपाल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की साझा देव संस्कृति भारत की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक एकता का अनुपम उदाहरण है, जो भौगोलिक सीमाओं से परे आपसी भाईचारे और सामाजिक सद्भाव को सुदृढ़ करती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विरासत के साथ विकास' के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज भारत आधुनिक विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर होने के साथ-साथ अपनी गौरवशाली सभ्यतागत, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को नई पहचान दिला रहा है।

महंगी ई-बसों और रखरखाव के नाम पर निगम के पदों को खत्म करने की साजिश: संजय शर्मा

हिन्द जनपथ

शिमला: भाजपा प्रदेश प्रवक्ता संजय शर्मा ने कहा कि हिमाचल में पर्यावरण संरक्षण की आड़ लेकर प्रदेश सरकार कहीं हिमाचल पथ परिवहन निगम (HRTC) को निजीकरण की ओर तो नहीं धकेल रही हैं। निजी कंपनियों से महंगी इलेक्ट्रिक बसें खरीदने और फिर उन्हीं के हवाले मेंटेनेंस (रखरखाव) का काम सौंपने की कवायद के बीच यह गंभीर सवाल उठ खड़ा हुआ है। उन्होंने आशंका जताई है कि सरकार की मंशा परिवहन निगम में कार्यरत मैकेनिकों और तकनीकी स्टाफ के पदों को धीरे-धीरे समाप्त करने की है। उन्होंने सरकार को घेरते



हुए पूछा कि जिस कीमत पर एक महंगी इलेक्ट्रिक बस खरीदी जा रही है, उतने बजट में पहाड़ की दुर्गम चढ़ाइयों पर चलने वाली 4 से 5 सस्ती और टिकाऊ डीजल बसें आसानी से खरीदी जा सकती हैं, फिर सरकार इस व्यावहारिक विकल्प से परहेज क्यों कर रही है।

संजय शर्मा ने कहा कि पर्यावरण के नाम पर लिए जा रहे इन फैसलों के पीछे सरकार की मंशा को लेकर प्रदेश की जनता में कई संदेह पैदा हो रहे हैं। एक ओर सरकार 1000 नई इलेक्ट्रिक बसें खरीदने की तैयारी कर रही है, तो दूसरी ओर पहले से खरीदी गई 297 ई-बसों के रखरखाव के लिए निजी कंपनी के साथ किए जा रहे 12 वर्ष के अनुबंध पर उठे गंभीर सवालों पर सरकार पूरी तरह मौन है। भाजपा प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि जब 297 बसों के रखरखाव की व्यवस्था में ही आर्थिक व्यवहार्यता और भविष्य के वित्तीय बोझ को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं, तो 1000 नई बसों के लिए इसी तरह का मॉडल अपनाने से पहले सरकार को पुराने अनुबंध का पूरा हिसाब सार्वजनिक करना चाहिए।

नशा तस्करों की संपत्तियों पर शिमला पुलिस का बड़ा प्रहार, 1.38 करोड़ की संपत्ति सीज

भूपिन्दर चौहान

शिमला : हिमाचल में नशा तस्करी के खिलाफ शिमला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। रामपुर में दर्ज एनडीपीएस मामले की जांच के दौरान पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार से अर्जित 1 करोड़ 38 लाख रुपए से अधिक मूल्य की चल संपत्तियों को फ्रीज और सीज किया है। इस मामले में अब तक कुल 38 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं, वित्तीय जांच में डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक के संदिग्ध लेन-देन भी सामने आए हैं।

एएसपी शिमला सिटी मेहर पंवर ने जानकारी देते हुए बताया कि यह मामला पुलिस थाना रामपुर में 4 मार्च 2025 को दर्ज किया गया था। 3 मार्च को कुढीधार क्रशर के समीप गश्त के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध वाहन की तलाशी ली थी, जिसमें सवार करसोग निवासी सोहन लाल और उसकी पत्नी गीता श्रेष्ठ के कब्जे से करीब 27 ग्राम हेरोइन यानी चिट्टा बरामद हुआ था। मामले की विस्तृत जांच में नशा तस्करी के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज खंगालते हुए कुल 38 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। वर्ष 2026 में मामले की वित्तीय जांच के दौरान आरोपियों और उनके सहयोगियों के बैंक खातों, यूपीआई लेन-देन, आयकर रिटर्न, राजस्व रिकॉर्ड और परिवहन विभाग के दस्तावेजों की जांच की गई। इसमें 6 आरोपियों और 6 सहयोगियों सहित कुल 12 लोगों के नाम पर 1 करोड़ 38 लाख रुपए से अधिक मूल्य की संपत्तियां चिन्हित की गईं। इनमें ट्रक, टिप्पर, कई लग्जरी और अन्य गाड़ियां तथा दो एप्पल आईफोन शामिल हैं। जांच में आरोपी संदीप शाह और उसके सहयोगियों के बैंक खातों में यूपीआई सहित अन्य माध्यमों से डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक के संदिग्ध लेन-देन भी सामने आए। संबंधित



व्यक्तियों की पर्याप्त वैध आय का स्रोत सामने नहीं आने पर एनडीपीएस एक्ट की धारा 68 ई और 68 एफ(1) के तहत इन संपत्तियों को फ्रीज और सीज किया गया। एएसपी ने बताया कि शिमला पुलिस नशा तस्करों की गिरफ्तारी के साथ-साथ उनके अवैध कारोबार से अर्जित संपत्तियों पर भी कार्रवाई कर रही है। वर्ष 2026 में अब तक जिला शिमला में एनडीपीएस मामलों के आरोपियों और उनके सहयोगियों की 14 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्तियां फ्रीज और सीज की जा चुकी हैं।

वहीं एएसपी शिमला सिटी मेहर पंवर ने बताया कि जिला शिमला में पुलिस कांस्टेबल भर्ती के लिए शारीरिक दक्षता व शारीरिक मानक परीक्षण 27 नवंबर से 5 दिसंबर तक पुलिस लाइन्स भराड़ी में आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान कुल 9,151 अभ्यर्थी हिस्सा लेंगे, जिनमें 2,707 महिलाएं और 6,444 पुरुष शामिल हैं। उन्होंने बताया कि भर्ती प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से आयोजित की जाएगी। सभी अभ्यर्थी अपने ई-कॉल लेटर में दिए गए निर्देशों का पालन करें और निर्धारित दिन आवश्यक दस्तावेजों के साथ समय पर भर्ती स्थल पर पहुंचें।

आरडीजी और हिमाचल के हितों पर जयराम ठाकुर चुप : नरेश चौहान

हिन्द जनपथ

शिमला: मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के मीडिया सलाहकार नरेश चौहान ने नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर और भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जयराम ठाकुर की ओर से मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर हाईकमान का दबाव होने संबंधी बयान केवल मीडिया में सुर्खियां बटोरने के लिए दिया जा रहा है। विपक्ष के नेता को इस तरह की बयानबाजी करने के बजाय हिमाचल प्रदेश के वास्तविक मुद्दों और प्रदेश के अधिकारों पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। चौहान ने सवाल उठाया कि जयराम ठाकुर आरडीजी (राजस्व घाटा अनुदान) बंद होने के मुद्दे पर क्यों नहीं बोलते और जब प्रदेश के हितों की बात आई तो भाजपा के सांसदों तथा पूर्व सरकार ने क्या प्रयास किए? मीडिया से बातचीत में नरेश चौहान ने कहा कि आज प्रदेश के लोगों को यह जानने का अधिकार है कि जब हिमाचल के आर्थिक हितों और अस्तित्व से जुड़े सवाल सामने आए, तब भाजपा ने प्रदेश के लिए क्या किया। उन्होंने कहा कि आरडीजी हिमाचल प्रदेश का अधिकार रहा है। राज्य के गठन के समय से ही प्रदेश को इस अनुदान का लाभ मिलता रहा है, लेकिन अब इसे बंद कर दिया गया है। ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर जयराम ठाकुर को प्रदेश की जनता के सामने अपना पक्ष रखना चाहिए। अगर वह आरडीजी के पक्ष में आवाज उठाते हैं तो कांग्रेस सरकार उनके सहयोग का स्वागत करेगी, क्योंकि यह किसी एक पार्टी का नहीं, बल्कि पूरे हिमाचल का मामला है। नरेश चौहान ने पूर्व भाजपा सरकार के कार्यकाल और केंद्र की भाजपा सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब प्रदेश में जयराम ठाकुर की सरकार थी और केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार सत्ता में थी, उस समय प्रधानमंत्री की ओर से हिमाचल को 1500 करोड़ रुपए की सहायता देने की बात कही गई थी। उन्होंने सवाल किया कि वह 1500 करोड़ रुपए कहां हैं और जयराम ठाकुर इस मुद्दे पर चुप हैं।



डॉ. शांडिल 26 तथा 27 नवम्बर, 2026 को सोलन विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर

सोलन - स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मन्त्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल 26 तथा 27 नवम्बर, 2026 को सोलन विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर रहेंगे। डॉ. शांडिल 26 नवम्बर, 2026 को प्रातः 11.30 बजे राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सोलन के वार्षिक समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। स्वास्थ्य मन्त्री 27 नवम्बर, 2026 को प्रातः 10.00 बजे राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कण्डाघाट के वार्षिक समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मन्त्री तदोपरान्त 11.55 बजे सोलन के जवाहर पार्क के समीप ब्रह्म कुमारी केन्द्र में आयोजित संगम अभियान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे। डॉ. शांडिल इसके उपरान्त दिन में 01.00 बजे राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला ओच्छघाट के वार्षिक समारोह में मुख्य अतिथि होंगे।

GOVERNMENT OF HIMACHAL PRADESH
JAL SHAKTI VIBHAG

NOTICE INVITING E-TENDERS

Online bids on item rate basis are invited by the Executive Engineer, Jal Shakti Division, Baddi on behalf of Governor of Himachal Pradesh, in electronic tendering system in two covers for the under mentioned work from the contractors/firms of **C & D** class enlisted with Himachal Pradesh Jal Shakti Vibhag.

Sr. No.	Description	Estimated Cost (Rs.)	Bid Security (Rs.)	Time	Cost of Bid (Rs.)
2.	Restoration of Rain Damages to LWSS Sua Faugla in Tehsil Kasauli Distt Solan HP (SH: P/L Cement Concrete 1:2:4 for protection of the area and C/O Retaining wall at 1st and 2nd stage) (under CRF)	4,90,985/-	9,820/-	Three Months	350/-
3.	Restoration of rain damages of LWSS Anji Maneshi in Tehsil Kasauli Distt. Solan HP.(SH:-Repair/Rewinding of Jyoti make motor 25 HP Sr. No. & Repair of KSB make mono submersible pump set 3 HP) Restoration of rain damages of LWSS Gummu Plach in Tehsil Kasauli Distt. Solan HP (SH:- Repair Submersible set KSB make 6 HP 50 stages) Restoration of rain damages of LWSS Maruin Maretha in Tehsil Kasauli Distt. Solan HP (SH:- Repair of submersible pumping set KSB make 6 HP 50 stages).	1,35,547/-	2,711/-	15 Days	350/-

KEY DATES SHALL BE AS UNDER: -

I	Site Visit	**25-11-2026 to 05-12-2026 on working days time 10.00 A.M. to 3.00 P.M.**
II	Date of online publication	**25-11-2026 (06.00 P.M.)**
III	Bid submission start date and time	**25-11-2026 (06.00 P.M.)**
IV	Bid submission end date and time	**07-12-2026 (11.00 A.M.)**
V	Date of opening bid i.e. eligibility criteria	**07-12-2026 (11.30 A.M.)**
VI	Date of opening of financial bid	**Shall be intimated separately.**

Other detailed conditions can be downloaded from the website **www.hptenders.gov.in**
For any clarification, please contact the O/O Executive Engineer, Jal Shakti Division Baddi.

Executive Engineer,
JSV Division, Baddi,
District Solan (HP)

R.No. 4951/2026-2027

RNI NO. HARHIN/2002/08034, Postal Regd. No. HR/AB/54/23-25, हिन्द जनपथ के लिए स्वामी, सम्पादक एवं प्रकाशक एकान्ति रॉय गर्ग द्वारा बूथ नंबर 437-पी, सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित एवं इम्प्रैशन प्रिंटिंग एण्ड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लाट नं. 22, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, पंचकूला से मुद्रित। सभी विवादों का न्यायाधिकार क्षेत्र पंचकूला होगा। Mob. 9915606900 email: hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com

न्यूज डायरी

प्रदेश सरकार के शिक्षा गुणवत्ता में सुधार के लिए किए जा रहे प्रयास हो रहे सफल- संजय अवस्थी

सोलन - अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने कहा कि द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए किए जा रहे प्रयास सफल हो रहे हैं। संजय अवस्थी आज राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बथालंग के क्लस्टर स्तरीय वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे।



उन्होंने कहा कि गुणवत्तायुक्त शिक्षा ही बेहतर भविष्य की नींव है। प्रदेश सरकार ने छात्रों को उनके घर-द्वार के समीप बेहतर शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए अनेक प्रयास किए हैं। छात्रों को प्रथम कक्षा से ही अग्रेंजी माध्यम में शिक्षा प्रदान करना और प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में सर्व-सुविधा युक्त राजीव गांधी डे बोर्डिंग विद्यालय की स्थापना इस दिशा में महत्वपूर्ण हैं। इस वित्त वर्ष में शिक्षा क्षेत्र पर 9660 करोड़ रुपए व्यय किए जा रहे हैं।

विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार के प्रयासों के फलस्वरूप आज हिमाचल प्रदेश शिक्षा गुणवत्ता के क्षेत्र में 21वें से 5वें स्थान पर आ गया है।

उन्होंने शिक्षकों का आह्वान किया कि छात्रों को किताबी जानकारी के साथ-साथ विषय का पूर्ण ज्ञान प्रदान करें। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि ज्ञान प्राप्त करने के लिए निरन्तर प्रयासरत रहें।

संजय अवस्थी ने अभिभावकों से आग्रह किया कि बच्चों को नैतिक मूल्यों, परम्पराओं और लोक संस्कृति की जानकारी दें ताकि आज के युवा भविष्य के उत्तरदायी नागरिक बन सकें। उन्होंने कहा कि शिक्षा और नैतिक मूल्यों का सामंजस्य ही युवाओं को परिपक्व बनाता है।

प्रत्येक छात्र को गुणात्मक एवं रोज़गारपरक शिक्षा प्रदान करना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता - डॉ. शांडिल

सोलन- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मन्त्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक छात्र को गुणात्मक एवं रोज़गारपरक शिक्षा प्रदान करना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है।



डॉ. शांडिल आज सोलन जिला के कण्डाघाट उपमण्डल के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला ममलीग में अयोजित वार्षिक समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने इससे पूर्व ग्राम पंचायत बशील में 2.27 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य भवन बशील के निर्माण कार्य का भूमि पूजन तथा 80 लाख रुपए की लागत से बशील गांव के संपर्क मार्ग के स्तरोन्नयन कार्य का लोकार्पण किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आज का युग प्रतिस्पर्धा का युग है और सभी बच्चों को अपना लक्ष्य निर्धारित कर निरन्तर प्रयास करने से ही सफलता प्राप्त हो सकती है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वह एकाग्रता से कार्य करें तथा समय का सदुपयोग करते हुए अपने लक्ष्य पर ध्यान दें।

उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि नशे से दूर रहें और अपने साथियों को भी नशे से दूर रखें। उन्होंने कहा कि समाज से नशे जैसे कुरीति को दूर रखने के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा ताकि युवा पीढ़ी को नशे के चंगुल से बचाया जा सके।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि शीघ्र ही राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला ममलीग को राजीव गांधी डे बोर्डिंग विद्यालय के रूप में स्तरोन्नत हो जाएगा। डॉ. शांडिल ने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा प्रदेश में एक समान विकास करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गत चार वर्षों में प्रदेश में स्वास्थ्य तथा शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है। बेहतर शिक्षा के लिए सीबीएसई विद्यालयों की स्थापना और राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूलों का निर्माण इसी दिशा में एक कदम है।

'गैंगस्टरां ते वार' अभियान का 309वां दिन: पंजाब पुलिस ने 585 स्थानों पर की छापेमारी; 249 काबू

चंडीगढ़- 'गैंगस्टरां ते वार' अभियान के 309वें दिन पंजाब पुलिस ने आज राज्यभर में गैंगस्टरों के सहयोगियों के रूप में चिन्हित एवं मैप किए गए 585 ठिकानों पर छापेमारी की।

उल्लेखनीय है कि पंजाब को गैंगस्टर-मुक्त राज्य बनाने के उद्देश्य से 'गैंगस्टरां ते वार' एक महत्वपूर्ण अभियान है, जिसकी शुरुआत पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने 20 जनवरी, 2026 को की थी। इस अभियान के तहत राज्य के सभी जिलों की पुलिस टीमें एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स, पंजाब के सहयोग से पूरे राज्य में विशेष अभियान चला रही हैं।

अभियान के 309वें दिन पुलिस टीमों ने एक हथियार सहित 249 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही अभियान की शुरुआत से अब तक गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की कुल संख्या बढ़कर 86,706 हो गई है। इसके अतिरिक्त, 201 व्यक्तियों के विरुद्ध एहतियातन कार्रवाई की गई है। पुलिस टीमों ने स अभियान के दौरान सात भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है। आम नागरिक 'एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन' नंबर 93946-93946 पर वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के संबंध में गोपनीय रूप से जानकारी साझा कर सकते हैं। इसके अलावा, अपराधों अथवा आपराधिक गतिविधियों से संबंधित सूचनाएं भी इस हेल्पलाइन के माध्यम से पुलिस तक पहुंचाई जा सकती हैं।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने प्रोबेशनरी आईपीएस अधिकारियों को पूरी लगन, ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ लोगों की सेवा करने के लिए किया प्रेरित

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज नवनियुक्त प्रोबेशनरी आईपीएस अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी लगन, ईमानदारी और जनसेवा के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अमन-शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखना तथा लोगों की जान-माल की रक्षा करना उनकी प्रमुख प्राथमिकता होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, 'आज चंडीगढ़ में मैंने नवनियुक्त प्रोबेशनरी आईपीएस अधिकारियों के साथ विशेष बातचीत की। राज्य भर में अमन-शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में इन युवा अधिकारियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। मैंने उन्हें अपनी ड्यूटी पूरी ईमानदारी, लगन और जनसेवा के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। सभी अधिकारियों को उनके उज्ज्वल भविष्य और नई जिम्मेदारियों के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। इंकलाब जिंदाबाद।'



चंडीगढ़ में प्रोबेशनरी आईपीएस अधिकारियों के साथ बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'इन युवा अधिकारियों के कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी है, क्योंकि वे पंजाब की पुलिस व्यवस्था को मजबूत बनाने और राज्य के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।'

मुख्यमंत्री ने कहा, 'पुलिस बल केवल कानून लागू करने के लिए ही जिम्मेदार नहीं है, बल्कि अपने आचरण, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के माध्यम से लोगों का विश्वास जीतना भी उसकी जिम्मेदारी है। लोगों को पुलिस एक ऐसी संस्था के रूप में दिखाई देनी चाहिए, जो उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हो और उनके अधिकारों एवं हितों की रक्षा करे।'

अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्पक्षता और पेशेवर तरीके से करने के लिए प्रेरित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'वर्दी जिम्मेदारी, अनुशासन और समाज की सेवा का प्रतीक है। प्रत्येक अधिकारी को अपराध के विरुद्ध निडर होकर काम करना चाहिए और साथ ही प्रत्येक नागरिक के अधिकारों एवं मान-सम्मान की रक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।'

उन्होंने कहा, 'पुलिस के पास जाते समय लोगों को सुरक्षित और आत्मविश्वास से परिपूर्ण महसूस होना चाहिए। जवाबदेह, जिम्मेदार और जनहितैषी पुलिस व्यवस्था शांतिपूर्ण एवं प्रगतिशील पंजाब के निर्माण के लिए बेहद जरूरी है।' युवा अधिकारियों को उदाहरण बनकर नेतृत्व करने का आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'प्रत्येक अधिकारी को पेशेवर नैतिकता के उच्चतम मानकों को बनाए रखना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ईमानदारी, निष्पक्षता और पेशेवर दक्षता उनकी सेवाओं के मार्गदर्शक सिद्धांत बनें। उनके आचरण से लोगों में विश्वास पैदा होना चाहिए और पुलिस तथा समाज के बीच संबंध मजबूत होने चाहिए।'

भगवंत मान सरकार ने पी.आर.टी.सी. के आउटसोर्स कर्मचारियों को ठेके (कॉन्ट्रैक्ट) के अधीन लाने की ऐतिहासिक प्रक्रिया शुरू की: हरपाल सिंह चीमा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़/संगरूर- पंजाब के वित्त और परिवहन मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आज पेप्सू रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (पी.आर.टी.सी.) के संगरूर डिपो में आयोजित एक विशेष समारोह के दौरान आउटसोर्स कर्मचारियों को ठेके (कॉन्ट्रैक्ट) के अधीन लाने की ऐतिहासिक प्रक्रिया की औपचारिक शुरुआत की।

इस कर्मचारी-हितैषी फैसले पर कर्मचारियों को बधाई देते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, 'मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार कर्मचारियों को सुरक्षित भविष्य, सम्मान और बेहतर सेवा शर्तें प्रदान करने के लिए दृढ़ता से काम कर रही है।' पी.आर.टी.सी. के 1,719 कर्मचारियों को ठेके के अधीन लाने की पहल के तहत समारोह के दौरान विभिन्न डिपो के 104 कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए।

इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, 'भगवंत मान सरकार ने आउटसोर्स कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करने के लिए ऐतिहासिक कानून बनाया है। कानून के तहत निर्धारित 90 दिनों की प्रक्रिया पूरी होने के बाद, अब योग्य कर्मचारियों को ठेके के अधीन लाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।' उन्होंने स्पष्ट किया, 'संबंधित अधिकारियों द्वारा योग्य कर्मचारियों के लिए नियुक्ति पत्र तैयार किए जा रहे हैं। सेवा रिकॉर्ड की पुष्टि, मेडिकल जांच और पुलिस सत्यापन सहित सभी आवश्यक विभागीय कार्रवाइयां पूरी होने के बाद कर्मचारियों को ठेके पर नियुक्त किया जा रहा है। यह पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और नियमों के अनुसार पूरी की जाएगी।' मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आगे कहा, 'पिछली सरकारों ने इन कर्मचारियों की जायज मांगों को लगातार नजरअंदाज किया, जिसके कारण उन्हें अपने अधिकारों के लिए बार-बार धरने और हड़तालें करने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसके विपरीत, भगवंत मान सरकार ने उनकी मुश्किलों पर गंभीरता से विचार करते हुए उनके हितों की रक्षा के लिए ठोस कानूनी कदम उठाए हैं।' वित्त मंत्री ने कर्मचारियों से अपनी ड्यूटी पूरी लगन, ईमानदारी और जिम्मेदारी से निभाने की अपील भी की। सरकारी दफ्तरों में अनुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करने के प्रति भगवंत मान सरकार की प्रतिबद्धता का जिक्र करते हुए मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, 'मैंने आज सुबह संगरूर में जी.एस.टी. और आबकारी विभाग के दफ्तरों की अचानक जांच की। जांच के दौरान कई कर्मचारी ड्यूटी से गैर-हाजिर पाए गए।'

'मेरी रसोई' राशन किटों के वितरण का आंकड़ा दूसरी तिमाही में 32 लाख के पार

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब सरकार द्वारा राज्य के पिछड़े वर्गों के परिवारों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अपनी राशन किट वितरण मुहिम 'मेरी रसोई' में तेजी लाई गई है। इस मुहिम के तहत दूसरी तिमाही के दौरान अब तक 32 लाख से अधिक परिवार लाभान्वित हो चुके हैं। इस योजना का उद्देश्य प्रत्येक तिमाही अर्थात हर तीन महीने बाद पंजाब भर में कुल 40 लाख पात्र परिवारों को राशन किटें उपलब्ध करवाना है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री लाल चंद कटारूचक के नेतृत्व में इस पहल के तहत राशन किटों का वितरण मिशन मोड में किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि इस योजना के तहत प्रत्येक परिवार को एक राशन किट दी जाएगी, जिसे परिवार की खाद्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। इस किट में मासिक खपत के लिए दो किलोग्राम दाल, दो किलोग्राम चीनी, एक किलोग्राम नमक, 200 ग्राम हल्दी पाउडर और एक लीटर सरसों का तेल शामिल है। ये राशन किटें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के तहत पात्र लाभार्थियों को पहले से वितरित की जा रही गेहूं के अतिरिक्त प्रदान की जा रही हैं।

ये राशन किटें मार्कफेड द्वारा तैयार की जाती हैं, जबकि खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा राज्यभर में वितरण नेटवर्क की निगरानी की जाती है।

अब तक वितरित की गई 32 लाख से अधिक राशन किटों में से लुधियाना 3,91,645 किटों के वितरण के साथ पहले स्थान पर रहा, जबकि पटियाला 2,41,933 किटों के साथ दूसरे, अमृतसर 2,13,562 किटों के साथ तीसरे, बठिंडा 1,94,723 किटों के साथ चौथे और होशियारपुर 1,76,136 किटों के वितरण के साथ पांचवें स्थान पर रहा।

इन राशन किटों के वितरण का उद्देश्य मुख्य खाद्यान्नों के साथ आवश्यक प्रोटीन, खाना पकाने का तेल और मसाले उपलब्ध करवाना है, जिससे योजना के तहत आने वाले परिवारों के लिए बेहतर एवं पौष्टिक आहार सुनिश्चित किया जा सकेगा।

वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, दोहरी प्रविष्टियों को रोकने और सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कड़ी निगरानी रखी जा रही है। जिला प्रशासन, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग और स्थानीय अधिकारियों द्वारा इस योजना की सफलता सुनिश्चित करने के लिए आपसी तालमेल से काम किया जा रहा है।

जल आपूर्ति एवं स्वच्छता विभाग में 54 और पुड्डा में दो नए उम्मीदवारों की नियुक्ति; हरदीप सिंह मुंडियां ने सौंपे नियुक्ति पत्र

कैबिनेट मंत्री ने नवनियुक्त कर्मचारियों को पूरी ईमानदारी और समर्पण भावना से जनसेवा करने का दिया आह्वान

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के कैबिनेट मंत्री स. हरदीप सिंह मुंडियां ने आज जल आपूर्ति एवं स्वच्छता विभाग में नवनियुक्त 54 कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। योग्यता के आधार पर चयनित इन कर्मचारियों में 46 ब्लॉक रिसोर्स कोऑर्डिनेटर, पांच कम्युनिटी डेवलपमेंट स्पेशलिस्ट और तीन आई.ई.सी. स्पेशलिस्ट शामिल हैं।

पंजाब भवन में आयोजित समारोह के दौरान नवनियुक्त कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को बधाई देते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि नए कर्मचारियों के विभाग में शामिल होने से विभागीय परिवार का विस्तार हुआ है। वे आम जनता को बेहतर सेवाएं उपलब्ध करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार योग्य एवं पात्र उम्मीदवारों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

स. हरदीप सिंह मुंडियां ने नवनियुक्त कर्मचारियों से अपनी ड्यूटी पूरी ईमानदारी, समर्पण भावना और निष्ठा के साथ निभाने की अपील करते हुए कहा कि जनसेवा एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।



सभी कर्मचारियों को अपने पद की गरिमा बनाए रखते हुए जनकल्याण के लिए मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवनियुक्त कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे और विभाग की कार्यप्रणाली को और अधिक मजबूत बनाने में योगदान देंगे।

इस अवसर पर जल आपूर्ति एवं स्वच्छता विभाग के सचिव श्री रामवीर ने नए कर्मचारियों का विभाग में स्वागत करते हुए कहा कि आज से वे विभागीय परिवार का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गए हैं। उन्होंने नवनियुक्त कर्मचारियों से पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना के साथ काम करने तथा विभाग के उद्देश्यों की पूर्ति में अपना योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि विभाग की प्रगति और आम जनता तक बेहतर सेवाएं पहुंचाने में कर्मचारियों की समर्पित भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इसके अतिरिक्त, पुड्डा भवन में आयोजित एक अलग संक्षिप्त समारोह के दौरान कैबिनेट मंत्री स. हरदीप सिंह मुंडियां ने पंजाब सरकार की अनुकंपा नियुक्ति नीति के तहत पुड्डा में भर्ती किए गए दो क्लर्क-कम-डाटा एंट्री ऑपरेटरों को भी नियुक्ति पत्र सौंपे।

महिलाओं एवं बच्चों के सशक्तिकरण को लेकर दिल्ली में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 28 नवंबर से

नई दिल्ली- महिलाओं एवं बच्चों को सम्मान, समान अवसर, आत्मनिर्भरता और रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से वी सत्य फाउंडेशन के नेतृत्व में 28 और 29 नवंबर को गांधी दर्शन, राजघाट, नई दिल्ली में दो दिवसीय राष्ट्रीय महिला एवं बाल सशक्तिकरण सम्मेलन 2026 आयोजित किया जाएगा।कार्यक्रम का नेतृत्व वी सत्य फाउंडेशन की संस्थापक एवं उपाध्यक्ष तथा कर्मण्य की डॉ. नंदिनी महलवाल कर रही हैं। आयोजन कर्मण्य सर्वहित संस्था के सहयोग से तथा स्पेशल ओलंपिक्स भारत और हुडको के सहयोग से किया जा रहा है।सम्मेलन में तेजाब हमले से प्रभावित महिलाएं, स्तन एवं गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से उबरी महिलाएं, यौन हिंसा से प्रभावित, तलाकशुदा एवं जेल से रिहा हुई महिलाओं के साथ-साथ दिव्यांग खिलाड़ियों, विशेष आवश्यकता वाली बालिकाओं और स्वलीनता से प्रभावित बच्चों को विशेष मंच प्रदान किया जाएगा।आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को सम्मानित करने के साथ उन्हें कौशल विकास, आजीविका प्रशिक्षण, रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है।डॉ. नंदिनी महलवाल ने



कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल भाषणों और सम्मान समारोहों तक सीमित नहीं होना चाहिए। प्रत्येक महिला को अपनी पहचान, गरिमा और आत्मनिर्भरता के साथ जीवन जीने का अधिकार मिलना चाहिए। किसी महिला की पहचान उसके अतीत से नहीं, बल्कि उसकी क्षमता और भविष्य से होनी चाहिए।दो दिवसीय सम्मेलन में 15 से अधिक प्रदर्शनी एवं व्यावसायिक बिक्री केंद्र, प्रशिक्षण सत्र, डॉक्टरों एवं अधिवक्ताओं द्वारा परामर्श, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सम्मान समारोह, दिव्यांग खिलाड़ियों की प्रतिभा का प्रदर्शन और विशेष समावेशी फैशन प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा।

सुपवा के साथ मिलकर काम करने को तैयार एनएफडीसी व एफटीआईआई पुणे

रोहतक। भारतीय सिनेमा व फिल्म निर्माण के क्षेत्र में नए अवसरों को तलाशने और शैक्षणिक संस्थानों के बीच आपसी सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा), रोहतक ने महत्वपूर्ण पहल की है। गोवा में आयोजित 57वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई), गोवा के दौरान सुपवा के स्टॉल पर राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) के चेयरमैन और फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई), पुणे के वाइस चांसलर ने पहुंचकर सुपवा की गतिविधियों, शैक्षणिक कार्यक्रमों व रचनात्मक कार्यों में रुचि दिखाई। इस दौरान एनएफडीसी और एफटीआईआई पुणे की ओर से सुपवा के साथ मिलकर छात्र हित में काम करने की संभावनाएं तलाशने पर जोर दिया गया।



सुपवा के कुलगुरु डॉ अमित आर्य ने अपने चार दिवसीय आईएफएफआई दौरे के दौरान फिल्म जगत, कला, संस्कृति व मीडिया क्षेत्र से जुड़ी कई प्रमुख हस्तियों से मुलाकात की। उन्होंने सभी को सुपवा आने का न्यौता देते हुए इसमें संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों, आधुनिक सुविधाओं, फिल्म निर्माण से जुड़ी गतिविधियों व छात्रों की रचनात्मक प्रतिभा से अवगत कराया।

आईएफएफआई में सुपवा की भागीदारी का उद्देश्य यूनिवर्सिटी की शैक्षणिक व रचनात्मक उपलब्धियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करना तथा फिल्म उद्योग और शिक्षण संस्थानों के साथ सहयोग के नए रास्ते तलाशना रहा। सुपवा द्वारा यहां पहली बार स्थापित स्टॉल पर प्रदर्शित गतिविधियों और यूनिवर्सिटी के कार्यों ने फिल्म एवं मीडिया क्षेत्र से जुड़े लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

एनएफडीसी के चेयरमैन व मलयालम अभिनेता जी कृष्ण कुमार, एफटीआईआई पुणे के कुलगुरु धीरज सिंह व रजिस्ट्रार लौकिक पारख आदि का सुपवा द्वारा स्थापित स्टॉल पर पहुंचना यूनिवर्सिटी के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सुरक्षित बचपन अभियान के द्वितीय चरण के तहत चयनित शिक्षकों के लिए संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

धर्मशाला: राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित सुरक्षित बचपन अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कांगड़ा स्थित धर्मशाला द्वारा चयनित शिक्षकों के लिए आयोजित संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम आज सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

अभियान के प्रथम चरण के तहत जिले के 78 विद्यालयों के 156 नामित शिक्षकों (प्रत्येक विद्यालय से दो प्रभारी शिक्षक) के लिए 19, 21 एवं 25 नवंबर, 2026 को जिला न्यायालय परिसर, धर्मशाला के समीप स्थित एडीआर केंद्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। आज 25 नवंबर को प्रशिक्षण कार्यक्रम का अंतिम दिन रहा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कांगड़ा स्थित धर्मशाला के सचिव आर. मिहुल शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य चयनित शिक्षकों को बाल संरक्षण, बच्चों के अधिकारों तथा बाल यौन शोषण की रोकथाम से जुड़े कानूनी एवं व्यावहारिक पहलुओं के प्रति जागरूक करना था, ताकि वे विद्यालय स्तर पर बच्चों को जागरूक करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में प्रभावी भूमिका निभा सकें।



प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न विषय विशेषज्ञों ने संसाधन व्यक्तियों के रूप में भाग लिया। प्रथम सत्र में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आर. मिहुल शर्मा तथा जिला बाल संरक्षण इकाई (डीसीपीओ) की अधिकारी रूमा गुलरिया ने पॉक्सो अधिनियम, 2012 की मूलभूत जानकारी तथा इसके अंतर्गत अपराध एवं दंड और पॉक्सो नियम, 2020 के संबंध में जानकारी प्रदान की।

द्वितीय सत्र में उप मुख्य विधिक सहायता बचाव अधिवक्ता मनीष चंद कटोच ने रिपोर्टिंग एवं जवाबदेही, ऑनलाइन सुरक्षा, साइबर ग्रूमिंग, चित्रों को साझा करने से संबंधित जोखिम एवं सेक्सटॉर्शन, बच्चों द्वारा शोषण की जानकारी दिए जाने पर उचित प्रतिक्रिया तथा संबंधित मामलों में रेफरल प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। तृतीय सत्र में साइबर पुलिस की एसआई कमल राणा ने निःशुल्क विधिक सहायता, विद्यालय प्रभारी एवं विधिक साक्षरता क्लबों की भूमिका, गोपनीयता एवं बच्चों की पहचान की सुरक्षा, नालसा की बच्चों के लिए बाल-अनुकूल विधिक सेवाएं योजना, 2024 तथा प्रशिक्षित विधिक सेवा प्रदाताओं के संबंध में जानकारी दी। चतुर्थ सत्र में क्षेत्रीय अस्पताल धर्मशाला की मनोवैज्ञानिक श्रीमती ज्योति ने बाल-अनुकूल प्रक्रिया एवं बाल मनोविज्ञान से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिन आर. मिहुल शर्मा ने कहा कि शिक्षक बच्चों के साथ नियमित संपर्क में रहते हैं और बाल संरक्षण से संबंधित मामलों की पहचान एवं उचित सहायता उपलब्ध करवाने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षकों की क्षमता को सुदृढ़ करने तथा विद्यालयों में बच्चों के लिए सुरक्षित एवं सहयोगपूर्ण वातावरण विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है।

बरवाला में अवैध कॉलोनी पर प्रशासन का बड़ा एक्शन; JCB से ध्वस्त की गई सड़कें और सीवर नेटवर्क

पंचकूला : उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा के मार्गदर्शन में डीटीपी श्रीमती बबीता गुप्ता के नेतृत्व में जिला नगर योजनाकार, पंचकूला की टीम द्वारा अर्बन एरिया पंचकूला में बड़ी कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही में गांव बतौर, बरवाला में 2 एकड़ में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी में तोड फोड की कार्यवाही की गई। इस तोड फोड में रोड नेटवर्क/सीवर नेटवर्क को जेसीबी द्वारा धवस्त किया गया। उक्त कार्यवाही में श्रीमती बबीता गुप्ता, जिला नगर योजनाकार, पंचकूला, ड्यूटी मैजिस्ट्रेट, श्री रजत सैनी, एसडीई, पंचायती राज, पंचकूला, श्री डिम्पी राठी, सहायक नगर योजनाकर, पंचकूला एवं भारी पुलिस बल की उपस्थिति में संपन्न हुई। जानकारी देते हुए डीटीपी श्रीमती बबीता गुप्ता ने बताया गया कि कोई भी निर्माण या कॉलोनी विकसित करने से पहले निदेशक, नगर तथा ग्राम आयोजना विभाग हरियाणा से अनुमति प्राप्त किया जाना अनिवार्य है। यदि कोई व्यक्ति बिना अनुमति से किसी प्रकार का अवैध निर्माण या कॉलोनी विकसित करता पाया गया तो उसके विरूद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही जारी रखी जाऐगी।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की तरफ से वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे अंबाला छवानी द्वारा मण्डल के निम्नलिखित स्टेशनों पर ठेके आवंटित करने हेतु ई–नीलामी रेलवे वेब साइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से बोली आमंत्रित की जा रही है। आवंटित की जाने वाले ठेको का विवरण निम्नलिखित है।

नीलामी कैटलॉग स.	कार्य का विवरण	नीलामी तिथि व समय
UMB-Mix-53-2026	बठिंडा रेलवे स्टेशन के दूसरे प्रवेश द्वार (2nd Entry) के पास, GRP क्वार्टर के निकट 1894.20 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाला एक व्यापक पार्किंग स्थल। (साइट प्लान के अनुसार)	03.12.26 12:00:00
	सहारनपुर रेलवे स्टेशन पर सैलून साइडिंग के पास मालगोदाम रोड पर कुल 949 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाले व्यापक पार्किंग स्थल का आवंटन। (साइट प्लान के अनुसार)	
	अंबाला डिवीजन के अंतर्गत सरहिंद रेलवे स्टेशन के दूसरे प्रवेश द्वार पर 210 वर्ग मीटर का पार्किंग स्थल है, जो दो–पहिया, तीन–पहिया और चार पहिया वाहनों की पार्किंग के लिए निर्धारित है।	
	मुस्तफाबाद रेलवे स्टेशन पर कुल 500 वर्ग मीटर क्षेत्र में व्यापक पार्किंग स्थल का आवंटन। (साइट प्लान के अनुसार)	
	साइट प्लान के अनुसार, स्टेशन बिल्डिंग के पास सर्कुलेटिंग एरिया में 507 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाला एक व्यापक पार्किंग स्थल, और रामपुरा फूल (PUL) रेलवे स्टेशन के दूसरे प्रवेश द्वार (2nd Entry) पर 386.82 वर्ग मीटर कुल क्षेत्रफल वाला दो–पहिया वाहनों के लिए एक पार्किंग स्थल है।	

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 4085/26

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)

IN THE COURT OF **Ms. Suman Pathak**
Civil Judge (Senior Division), Kapurthala

Varuni Jaidka alias Shakshi Jaidka
Vs.
Jasbir Kaur

CNR No. PBKP02-000323-2025
Next Date:- 07.12.2026

Suit for separate possession by way of Partition.

PUBLICATION ISSUED TO:
Jasbir Kaur
Spouse:- Jasbir Singh
Mohalla Seenpura, Kapurthala.

In above titled case, the defendant(s)/respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on **07-12-2026 at 10:00 a.m.**
For details logon to **https://highcourtchd.gov.in/?mod=district_notice &district=Kapurthala**

Ms. Suman Pathak
Civil Judge (Senior Division), Kapurthala
Dated, this day of 13-11-2026

संपादकीय

हर त्रासदी के बाद जागता है प्रशासन, फिर लौट आती है जहरीली शराब

मणिपुर में जहरीली शराब पीने से कम से कम 16 लोगों की मौत और कई सौ लोगों के अस्पताल पहुंचने की घटना ने एक बार फिर शराब बिक्री की निगरानी और सरकारी व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। आखिर हर ऐसी त्रासदी के बाद जांच और कार्रवाई के आश्वासन के बावजूद जहरीली शराब का कारोबार क्यों नहीं रुकता? देश के किसी भी इलाके में शराब बिक्री की व्यवस्था को नियमित और नियंत्रित तरीके से चलाने के दावे करने में सरकार की ओर से कोई कमी नहीं की जाती, लेकिन इसकी हकीकत अक्सर सामने आती है, जब जहरीली शराब के सेवन की वजह से लोगों के मरने की खबरें आती हैं।किसी भी जगह पर इस तरह की घटना का सबक यह होना चाहिए कि इससे संबंधित नियम-कायदों और निगरानी को पूरी तरह दुरुस्त किया जाए, ताकि वैसा फिर न हो। मगर अमूमन हर जगह लापरवाही का आलम ऐसा होता है कि जहरीली शराब पीकर मौत के मामलों का सिलसिला-सा चलता रहता है और सरकार हर बार रस्म की तरह घटना की जांच और कार्रवाई का आश्वासन देने में कोई कमी नहीं करती। इसके बाद अगली घटना यह बताती है कि सरकारी तंत्र को नाहक ही लोगों के मारे जाने से क्या फर्क पड़ता है।गौरतलब है कि मणिपुर में जहरीली शराब पीकर कम से कम सोलह लोगों की मौत हो गई और कई सौ को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, लेकिन शासन की सफाई है कि शराब जिले के बाहर के किसी इलाके से लाई गई थी। सवाल है कि क्या इस तरह की सफाई से समस्या का समाधान हो जाता है।विडंबना यह है कि जब जहरीली शराब पीकर मरने वालों की संख्या ज्यादा होने लगती है और मामला तूल पकड़ने लगता है, तब स्थानीय प्रशासन सभी स्तर पर सक्रिय दिखने लगता है। पीड़ितों का इलाज कराने से लेकर आरोपियों की धर-पकड़ के लिए जिस तरह अभियान चलाए जाते हैं, वह आम दिनों में नदारद होता है।शराब की बिक्री के संबंध में तय सभी नियम-कायदे या गुणवत्ता पर निगरानी को लेकर संबंधित महकमे एक तरह से आंखें मूंदे रहते हैं। यह बेवजह नहीं है कि इस लापरवाही का फायदा उठाकर अपराधी प्रवृत्ति के लोग जहरीली शराब की आपूर्ति करने में कामयाब हो जाते हैं। मणिपुर पहले ही सामुदायिक टकराव की समस्या से जूझ रहा है और सरकार प्रकारांतर से इस समस्या के समाधान में नाकाम साबित हो रही है।

शांति की आड़ में महाशक्तियों की नई बिसात

(अशोक भाटिया)

शेनझेन की इस ऐतिहासिक बैठक को विश्व शांति के अंतिम समाधान के रूप में देखने की भूल नहीं की जानी चाहिए। इतिहास गवाह है कि जब भी महाशक्तियों ने बंद कमरों में बैठकर दुनिया की तकदीर लिखने की कोशिश की है, उसका परिणाम नए शीत युद्ध, अविश्वास या क्षेत्रीय अस्थिरता के रूप में ही सामने आया है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति के इतिहास में कुछ तस्वीरें ऐसी होती हैं, जो केवल एक घटना को दर्ज नहीं करतीं, बल्कि आने वाले दशकों की भू-राजनीतिक दिशा तय करती हैं। चीन के शेनझेन स्थित कायलिन विला में एपेक शिखर सम्मेलन के दौरान एक ही गोलमेज पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ऐतिहासिक मुलाकात ऐसी ही एक युगांतरकारी परिघटना है। लगभग अस्सी मिनट तक चली इस त्रिपक्षीय वार्ता के बाद जारी किए गए चार-सूत्रीय शांति घोषणापत्र को वैश्विक मीडिया के एक बड़े वर्ग द्वारा परमाणु हथियारों पर लगाम लगाने और विश्व शांति की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। परंतु कूटनीति की बारीक परतों को उधेड़कर देखें, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या दुनिया की तीन सबसे बड़ी परमाणु महाशक्तियां वास्तव में हथियारों की होड़ समाप्त करने के लिए एकजुट हुई हैं, या फिर यह 1945 के याल्टा सम्मेलन का एक नया संस्करण है, जहाँ बड़ी ताकतें बंद कमरे में बैठकर आपस में दुनिया के प्रभाव क्षेत्रों का बंटवारा करने बैठी हैं?



इस बैठक के सबसे चर्चित पहलू यानी परमाणु निरस्त्रीकरण की वास्तविकता पर गौर करना आवश्यक है। बैठक के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने परमाणु हथियारों के पूर्ण उन्मूलन और परमाणु मुक्त विश्व की वकालत की। सुनने में यह विचार अत्यंत आदर्शवादी और सुखद प्रतीत होता है, लेकिन इसके ठीक विपरीत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बैठक के बाद यह स्वीकार करने में कोई संकोच नहीं किया कि परमाणु हथियारों को पूरी तरह छोड़ना लगभग नामुमकिन है। यही विरोधाभास इस पूरे घोषणापत्र की असलियत को उजागर करता है। यदि हम घोषणापत्र की भाषा को ध्यान से पढ़ें, तो इसमें परमाणु हथियारों की संख्या घटाने या नई हथियार संधि करने जैसा कोई ठोस और बाध्यकारी वादा नहीं है। इसमें केवल परमाणु जोखिम कम करने की बातचीत और रणनीतिक स्थिरता बनाए रखने की बात कही गई है। न्यू स्टार्ट संधि की समाप्ति के बाद वैश्विक परमाणु नियंत्रण व्यवस्था में जो शून्य पैदा हुआ था, उसे भरने के बजाय तीनों महाशक्तियों ने केवल संवाद की औपचारिकता निभाई है। विडंबना यह है कि एक तरफ चीन परमाणु मुक्त विश्व की अपील कर रहा है, तो दूसरी तरफ वह स्वयं अपने परमाणु शस्त्रागार का सबसे तेज गति से विस्तार कर रहा है। अमेरिका और रूस के पास पहले से ही दुनिया के नब्बे प्रतिशत से अधिक परमाणु हथियार मौजूद हैं। ऐसे में, बिना किसी ठोस कटौती के निरस्त्रीकरण की बातें करना वैश्विक जनमत को भ्रमित करने जैसा ही है। शेनझेन बैठक का सबसे चौंकाने वाला और कम चर्चित पहलू वह है, जहाँ इन तीनों वैचारिक रूप से विरोधी महाशक्तियों के हित आपस में पूरी तरह मेल खाते हैं। यह पहलू है अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और वैश्विक न्याय प्रणाली को कमजोर करने का साझा प्रयास। घोषणापत्र में संयुक्त राष्ट्र में सुधार की बात तो कही गई है, लेकिन इसके साथ ही तीनों देशों ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के अधिकार क्षेत्र के खिलाफ एक अभूतपूर्व एकजुटता दिखाई है। यह किसी से छिपा नहीं है कि रूस, अमेरिका और चीन, तीनों ही अपने-अपने कारणों से अंतरराष्ट्रीय न्यायालयों और संधियों की निगरानी से बाहर रहना चाहते हैं। जब विश्व की तीन सबसे ताकतवर सरकारें मिलकर किसी वैश्विक न्यायिक संस्था के अधिकारों को सीमित करने पर सहमत होती हैं, तो यह छोटे और विकासशील देशों के लिए खतरे की घंटी बन जाता है।

इसका सीधा अर्थ यह है कि महाशक्तियां एक ऐसी व्यवस्था गढ़ना चाहती हैं, जहाँ नियम-कानून केवल कमजोर राष्ट्रों पर लागू हों, जबकि ताकतवर देश अपनी शर्तों पर दुनिया चलाएं। इसके अतिरिक्त, यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व के संकट और ईरान के परमाणु कार्यक्रम जैसे ज्वलंत वैश्विक मुद्दों पर इस घोषणापत्र की चुप्पी यह साबित करती है कि तीनों नेताओं ने उन विवादित विषयों को ठंडे बस्ते में डाल दिया है, जिन पर उनके बीच टकराव की संभावना थी। इसे कूटनीति की भाषा में सुविधाजनक समझौता कहा जाता है, जहाँ वास्तविक समस्याओं को हल करने के बजाय केवल अपनी छवि चमकाने वाले बिंदुओं पर सहमति बनाई जाती है। भारत के दृष्टिकोण से, कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक के नीति निर्माताओं, उद्योग जगत और आम नागरिकों के लिए इस त्रिपक्षीय जुगलबंदी के गहरे निहितार्थ हैं। भारत की विदेश नीति सदैव रणनीतिक स्वायत्तता और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की पक्षधर रही है। यदि अमेरिका, रूस और चीन मिलकर किसी बिग-थ्री क्लब का निर्माण करते हैं, तो यह भारत के बहुध्रुवीय विश्व के सपने के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। विशेष रूप से चीन की भूमिका भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय है। शेनझेन की मेज पर बैठकर चीन ने स्वयं को एक शांतिदूत और जिम्मेदार वैश्विक नेता के रूप में पेश करने का सफल प्रयास किया है, जबकि वास्तविकता यह है कि उत्तरी सीमाओं पर उसकी आक्रामकता और हिंद महासागर क्षेत्र में उसकी विस्तारवादी नीतियां आज भी क्षेत्र की शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा बनी हुई हैं। जब अमेरिका और रूस भी चीन को वैश्विक व्यवस्था का एक बराबर का साझेदार मानने लगते हैं, तो एशिया में शक्ति संतुलन प्रभावित होना तय है। भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि महाशक्तियों की इस नई दोस्ती की कीमत किसी भी रूप में एशियाई देशों की संप्रभुता या हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्वतंत्रता को न चुकानी पड़े। इसके साथ ही, रूस के साथ भारत के पारंपरिक और भरोसेमंद संबंधों को भी इस बदलते समीकरण के बीच नए सिरे से साधने की आवश्यकता होगी।

हालांकि, इस घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ा पक्ष भी है, जो भारत के हर नागरिक की रोजमर्रा की जिंदगी और रसोई के बजट को प्रभावित करता है। शेनझेन घोषणापत्र में तीनों महाशक्तियों ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता लाने और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति बढ़ाने पर सहमति जताई है। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का अस्सी प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करता है। यदि इस सहमति के परिणामस्वरूप अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें नियंत्रित रहती हैं और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला सुचारू बनी रहती है, तो यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर होगी। इससे देश में महंगाई को काबू में रखने, परिवहन लागत घटाने और बुनियादी ढांचे की विकास योजनाओं को गति देने में मदद मिलेगी। इसके अतिरिक्त, यदि अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव कम होता है, तो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में स्थिरता आएगी, जिसका लाभ भारतीय निर्यातकों और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र को भी मिल सकता है। साथ ही, घोषणापत्र में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार का जो जिक्र किया गया है, भारत को उसका कूटनीतिक लाभ उठाते हुए अपनी स्थायी सदस्यता के दावे को और अधिक मुखरता से वैश्विक मंच पर रखना होगा।

दरअसल शेनझेन की इस ऐतिहासिक बैठक को विश्व शांति के अंतिम समाधान के रूप में देखने की भूल नहीं की जानी चाहिए। इतिहास गवाह है कि जब भी महाशक्तियों ने बंद कमरों में बैठकर दुनिया की तकदीर लिखने की कोशिश की है, उसका परिणाम नए शीत युद्ध, अविश्वास या क्षेत्रीय अस्थिरता के रूप में ही सामने आया है। सच्ची और स्थायी वैश्विक शांति केवल तीन देशों के राष्ट्राध्यक्षों के हाथ मिलाने या चार-सूत्रीय घोषणापत्र जारी करने से स्थापित नहीं हो सकती। परमाणु हथियारों का खतरा तभी समाप्त होगा, जब महाशक्तियां अपने शस्त्रागारों में वास्तविक, समयबद्ध और पारदर्शी कटौती करेंगी और इसके सत्यापन के लिए स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय निगरानी को स्वीकार करेंगी। इसके साथ ही, इक्कीसवीं सदी की किसी भी नई वैश्विक व्यवस्था में भारत जैसे सबसे बड़े लोकतंत्र और ग्लोबल साउथ के विकासशील देशों की आवाज को बराबर का सम्मान मिलना अनिवार्य है। शेनझेन की मेज से निकला संदेश स्पष्ट है कि दुनिया एक बड़े भू-राजनीतिक बदलाव के मुहाने पर खड़ी है, और इस बदलती बिसात पर भारत को अपनी कूटनीतिक सूझबूझ, आर्थिक मजबूती और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए पहले से कहीं अधिक सतर्क और सक्रिय रहना होगा। **(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)**

हर चीज याद रखने वाला मोबाइल, पासवर्ड के मामले में क्यों बन गया सिरदर्द

(राजेंद्र वामन काटदरे)

दुनिया भर में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला पासवर्ड है 123456789 और यही सबसे पहले साइबर फर्जीवाड़ा या हैक करने वालों के निशाने पर भी आता है। कितनी दिलचस्प बात है कि जब से कंप्यूटर हमारे दफ्तरों से लेकर घरों तक में आया और जब से मोबाइल हमारे हाथों में आया, तब से हम अनेक बातें भूलने लगे। मसलन, घर, दफ्तर, मित्रों, रिश्तेदारों के फोन नंबर, निकट स्वजनों के जन्मदिन इत्यादि। पहले कई लोगों को दर्जनों फोन नंबर व्यक्तियों के संदर्भ के साथ याद रहते थे। अब इन्हें याद रखने की जरूरत ही महसूस नहीं होती, क्योंकि अब हाथों में मोबाइल है, जिसमें सभी के फोन नंबर उनके नाम से सुरक्षित दर्ज किए गए हैं। अनेक सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट हैं, जो हमें, हमारे करीबी लोगों के जन्मदिन और उनसे संबंधित अन्य महत्वपूर्ण बातें याद दिलाती रहती हैं। विडंबना यह है कि अब हमें अनेक कठिनतम पासवर्ड तथा पिन नंबर याद रखने पड़ते हैं, यह जानते हुए कि हम इन्हें कभी भी भूल जा सकते हैं। इस आशंका की वजह से ही ज्यादातर लोग इस तरह की जानकारी कहीं दर्ज करके रखते हैं। बस यह याद रहे कि इस तरह की जानकारी कहां दर्ज है, ताकि समय पर उसे वहां से हासिल किया जा सके।



यों इन पासवर्डों का इतिहास काफी पुराना है। रोमन साम्राज्य में सैनिकों के बीच कुछ कूट शब्दों का चलन था तथा रात के अंधेरे में अपने-पराए की पहचान के लिए कुछ सांकेतिक शब्दों का चयन किया जाता था। मसलन, किले या सीमा पर तैनात सैनिक आगंतुक से पूछेगा 'फ्लैश' तथा इसका अपेक्षित जवाब होगा 'थंडर'। अगर आगंतुक प्रस्तुत जवाब न दे पाए, तो निश्चित ही वह पराया है और उसे प्रवेश नहीं दिया जा सकता। ये सिर्फ सांकेतिक शब्द हैं। इसी तर्ज पर संकेतों में समझने की भाषा तैयार की जाती होगी। आज पासवर्ड का सवाल डिजिटल सुरक्षा से संबंधित है। कहा जाता है कि 1961 में पहला डिजिटल पासवर्ड प्रोफेसर फर्नांडो कार्बेटो ने बनाया था। एमआईटी में प्रोफेसर कार्बेटो ने संस्थान के अन्य शोधकर्ताओं के साथ एक 'ऑपरेटिंग सिस्टम' बनाया था, जिस पर सभी काम करना चाहते थे। हर कोई कंप्यूटर पर अपना समय चाहता था। यही वजह है कि इस समस्या से निबटने के लिए सभी को अलग-अलग पासवर्ड दिए गए और इसी के बाद से डिजिटल पासवर्ड लोकप्रिय हुआ। कूट शब्द या पासवर्ड लोकप्रिय तो हुआ, लेकिन आमजन के लिए यह जी का जंजाल भी बन गया। अब इन पासवर्डों के कारण हमारी मुश्किलें कितनी बढ़ गई हैं, इसे ऐसे देखें कि सबसे पहले अपने मोबाइल और कंप्यूटर का पिन नंबर या पासवर्ड याद रखना पड़ता है। फिर बैंक के अनेक डेबिट-क्रेडिट कार्डों के पिन नंबर याद रखने पड़ते हैं।

ऑनलाइन बैंकिंग व्यवहारों यानी लेनदेन के लिए या अपने बैंक खाते में लॉगिन करने के लिए एक पासवर्ड तथा प्रोफाइल पासवर्ड भी याद रखना पड़ता ही है। फिर आजकल लगभग हरेक व्यक्ति के कम से कम दो ईमेल आईडी (एक व्यक्तिगत तथा एक कार्यालय के लिए) होते हैं तथा कुछ नेटवर्किंग वेबसाइटों पर भी हम होते ही हैं। इसलिए इनके पासवर्ड भी तो याद रखने पड़ते हैं। वैसे दुनिया भर में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला पासवर्ड है 123456789 और यही सबसे पहले साइबर फर्जीवाड़ा या हैक करने वालों के निशाने पर भी आता है। मगर बैंकों के पिन नंबरों तथा पासवर्डों के साथ तो और ही मजे आते हैं, क्योंकि लगभग सभी बैंक साइबर सुरक्षा की दृष्टि से हर दो या तीन महीनों बाद या नियमित अंतराल से हमें अपने पासवर्ड बदलने को कहते हैं। फिर ये नया पासवर्ड पिछले तीन पासवर्डों से अलग भी होना चाहिए। ये पासवर्ड 'स्ट्रॉन्ग' यानी कठिन भी होना चाहिए। इसमें अंग्रेजी का एक 'कैपिटल', एक 'स्मॉल' शब्द, एक चिह्न तथा कम से कम एक अंक का समावेश भी होना चाहिए। यह कम से कम आठ अक्षर का तो होना ही चाहिए। कितना कठिन और कितना दुरूह काम है यह सब। खासकर पचपन-साठ साल से ज्यादा के बुजुर्गों के लिए। फिर 'तू डाल-डाल मैं पात-पात' की तर्ज पर ऐसी घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं कि हम कितना ही कठिन पासवर्ड क्यों न बना लें, हैक या फर्जीवाड़ा करने वाले इसका तोड़ निकाल ही लेते हैं और हमारे बैंक खाते में सेंध लगाकर हमें अच्छी-खासी आर्थिक चपत भी लगा ही देते हैं। इन अनेक पासवर्डों और पिन नंबरों को याद रखना सचमुच दुरूह काम है। इसलिए अधिकांश लोग इसे याद रखने की दृष्टि से अपने या बच्चों के या नाती-पोतों के नामों तथा जन्मदिनांक का उपयोग कर पासवर्ड बनाते हैं, लेकिन फिर भी भूल ही जाते हैं। अनेक बार देखा जाता है कि हममें से कई लोग किसी मॉल या किसी बड़ी दुकान में खरीदारी करने के बाद डेबिट या क्रेडिट कार्ड से पैसा चुकाते वक्त गलत पिन नंबर डाल बैठते हैं। फिर निकालते वक्त याद ही नहीं कर पाते। अगर किसी के साथ ऐसा होता है और हम घबरा कर सोचने लगते हैं कि कहीं आप मनोभ्रंश का शिकार तो नहीं हो गए। एक शोध के अनुसार दुनिया भर में तकरीबन सत्तर फीसद लोग अपना पासवर्ड तथा पिन नंबर यों ही भूल जाते हैं।

हालांकि यह सत्य है कि सत्तर फीसद लोग इसे भूल जाते हैं, लेकिन आज के समय में पासवर्ड सिर्फ एक शब्द नहीं, बल्कि हमारी संपत्ति, पहचान और गोपनीयता की चाबी भी है। हम अपने बैंकिंग व्यवहारों के लिए एक मजबूत पासवर्ड बनाते हैं और उसे गोपनीय रखते हैं, तो अपनी सुरक्षा के लिए ही सही, अभेद्य सुरक्षा दीवारों से घिरी डिजिटल गतिविधियां तय करनी चाहिए।

वर्ग पहेली 6284



संकेतः बाएं से दाएं
1. 2009 को इस प्रख्यात पार्श्व गायक को वर्ष 2007 प्रतिष्ठित दादा साहब फालके अवार्ड के लिए चुना गया था (3)
3. एक प्रकार का वाद्य जो भगवान शंकर को प्रिय है, एकसूत्र, सूत्रकोण (3)
5. आश्चर्य चकित होना, निरूत्तर होना (5)
7. शबर जाति की श्रमणा नाम की स्त्री जो श्रीराम की परमभक्त थी (3)
9. बांस की चटाई को यह भी कहा जाता है (3)
10. कसर, कमी, खता, खामी (2)
11. स्वेच्छा से दिया गया धन (2)
13. पादत्राण, एक पैर (3)
15. हेकड़ी, धृष्टता, अधिकारहीनता (4)
17. घास आदि का छोटा टुकड़ा, कंडगर, खरीक, तृण (3)
18. शिकन, ऐंठ, मरोड़, शक्ति (2)
19. कलई, गिरिसार, परास, सोल्डर (2)
21. मर्जी, इच्छा, अवकाश अनुमति (2)
22. जिसकी सभी सतह समान हो (4)
23. उतारू, राणकामी (3)

ऊपर से नीचे
1. एक प्रसिद्ध लॉन टेनिस खिलाड़ी जिसने अभिनेत्री लारा दत्ता से विवाह किया था (6)
2. दहलीज, घर की चौखट, अनाज गोदाम(3)
3. पश्चिमी अफ्रिका के उभार पर स्थित देश सेनेगल की यह राजधानी है (3)
4. 33 छोटे-छोट द्वीप वाला अरब देश बहरीन की यह राजधानी है (3)
6. दुर्भाग्यशाली, दुहागा, भाग्यहीन (5)
8. शक्तिशाली, ताकतवर (4)
12. शरीफ का लड़का, आर्यपुत्र, कुलपुरूष (5)
14. जिसके शब्द के अंत में ई लगा हो (4)
16. फूल, लोहे का अर्धचंद्रकार टुकड़ा, कुमुद आदि फूलों की लंबी और खोखली नली (2)
20. कपोल, रूखसार, आरिज (2)
21. माता लक्ष्मीजी का एक नाम, शोभा, सम्मोहित, वशीकृत (2)

वर्ग पहेली 6283 का हल

इं	ग्लैं	ड	■	ए	क	ल	व्य
दौ	■	र	ज	त	प	ट	■
र	म	ना	■	बा	ट	■	■
■	न	■	ना	र	■	मा	न
हृ	त	■	ह	क	त	ल	फी
कृ	■	सी	क	र	■	दा	स
म	जा	र	■	ना	जि	र	■
त	ला	त	ल	■	क	■	ता

क्रिकेट इतिहास की सबसे तेज डबल सेंचुरी वैभव के नाम, सभी रिकॉर्ड्स चकनाचूर

(दीपेश शर्मा)

राइजिंग स्टार एशिया कप 2026 में यूएई के खिलाफ वैभव सूर्यवंशी ने 28 छक्कों और 7 चौकों की मदद से महज 52 गेंदों में ऐतिहासिक दोहरा शतक जड़कर 50 ओवर क्रिकेट के सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। राइजिंग स्टार एशिया कप 2026 में यूएई के खिलाफ 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ए के युवा विस्फोटक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने क्रिकेट इतिहास की सबसे अविश्वसनीय और विनाशकारी पारी खेल डाली है। अपने तूफानी शतक के बाद भी वैभव के बल्ले की आग शांत नहीं हुई और उन्होंने महज 52 गेंदों में अपना ऐतिहासिक दोहरा शतक ठोक दिया। इस करिश्माई दोहरे शतक के दौरान वैभव ने यूएई के गेंदबाजों की बखिया उधेड़ते हुए 28 गगनचुंबी छक्के और 7 चौके जड़े यानी 200 में से 196 रन तो केवल चौकों और छक्कों की बारिश से ही बटोर लिए।

सूर्यवंशी ने तोड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड : महज 52 गेंदों में दोहरा शतक पूरा करके वैभव सूर्यवंशी ने 50 ओवर के क्रिकेट (वनडे और लिस्ट-ए) में सबसे तेज डबल सेंचुरी के सभी पुराने विश्व रिकॉर्ड्स को ध्वस्त कर दिया है। अगर पुरुष वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट के इतिहास पर नजर डालें, तो वहां सबसे तेज दोहरे शतक का रिकॉर्ड इंग्लैंड के हैरी ब्रूक के नाम है, जिन्होंने 22 अक्टूबर 2026 को रावलपिंडी में श्रीलंका के खिलाफ 114 गेंदों में दोहरा शतक जड़ा था। वहीं भारत के शुभमन गिल ने 117 गेंदों (गुवाहाटी, 30 सितंबर 2026), ईशान किशन ने 126 गेंदों (चटोग्राम, 2022) और क्रिस गेल ने 138 गेंदों (कैनबरा, 2015) में दोहरा शतक बनाया था, लेकिन वैभव ने इन सभी दिग्गजों के आंकड़ों को आधे से भी कम गेंदों में पीछे छोड़ दिया है।

कई रिकॉर्ड वैभव ने कर लिए अपने नाम: इस मैराथन और आतिशी पारी के दौरान वैभव सूर्यवंशी ने हर पड़ाव पर एक नया विश्व रिकॉर्ड कायम किया। उन्होंने सबसे पहले महज 28 गेंदों में अपना सैकड़ा पूरा किया और लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस मामले में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के जेक फ्रेजर-मैकगर्क (29 गेंद, 2023), एबी डिविलियर्स (31 गेंद, 2015), साकिबुल गनी (32 गेंद, 2025) और ईशान किशन (33 गेंद, 2025) जैसे धुरंधर बल्लेबाजों को पीछे छोड़ दिया।

150 रन का रिकॉर्ड भी तोड़ा : शतक पूरा करने के बाद वैभव की रफ्तार और भी खतरनाक हो गई और उन्होंने अगली मात्र 12 गेंदों में अपने 150 रन भी पूरे कर लिए। महज 40 गेंदों में 150 रनों के आंकड़े तक पहुंचकर वैभव ने लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज 150 रन बनाने का अपना ही पिछला विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले साल 2025 में रांची में बिहार की ओर से अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ खेलते हुए वैभव ने 59 गेंदों में 150 रन बनाए थे, जबकि उनके बाद एबी डिविलियर्स (64 गेंद, 2015) और जोस बटलर (65 गेंद, 2022) का नाम आता है।

28 छक्के उड़ाए वैभव ने : एक ही पारी में 28 गेंदों में शतक, 40 गेंदों में 150 रन और फिर 52 गेंदों में 28 छक्कों की मदद से दोहरा शतक जड़कर वैभव सूर्यवंशी ने विश्व क्रिकेट को स्तब्ध कर दिया है। यूएई के खिलाफ खेली गई यह विस्फोटक पारी न केवल भारत ए के लिए यादगार जीत का आधार बनी, बल्कि रिकॉर्ड बुक्स में एक अध्याय लिख गई।

आज का राशिफल

मेष

आज परिवार के सदस्यों से पूरा सहयोग मिलेगा एवंपारिवारिक मामलों में अनुकूलता रहेगी। आपको आज परिवार के सदस्यों से पूरा सहयोग मिलेगा। आर्थिक पक्ष भी आपका बेहतर होगा और दीर्घकालीन निवेश कर सकते हैं। किसी पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिलेगा।

वृष

आज आपका मनोबल ऊंचा रहेगा। अपने लिए आप आज कुछ खरीदारी भी कर सकते हैं। किसी मित्र या सगे संबंधी से मिलने का संयोग बन सकता है। विवाह योग्य जातकों के लिए रिश्ते की बात आगे बढ सकती है। आपको आज मनोरंजक कार्यक्रम का आनंद लेने का भी मौका मिलेगा। बच्चों के साथ तालमेल बढेगा।

मिथुन

आज भाई बहनों से सहयोग मिलेगा। आज किसी कारण से अपनी कार्ययोजना में बदलाव करना होगा। दिन का पहला भाग आज सुस्ती में बीतेगा। वैसे वैवाहिक जीवन में प्रेम और आपसी सहयोग बना रहेगा। जीवनसाथी के साथ आप मनोरंजक समय का आनंद ले पाएंगे।

कर्क

कर्क राशि,लाभ मिलने की खुशी होगी।आर्थिक मामले में आपको भाग्य कुछ अप्रत्याशित लाभ दिला सकता है। पिता और पैतृक पक्ष से आपको आज फायदा मिलेगा। काफी समय से मन में दबी इच्छा को आप पूरा कर पाएंगे। आपको आज कारोबार में लाभ मिलने की खुशी होगी।

सिंह

आज,लाभ प्राप्त करने का मौका मिलेगा आपको आज पुण्य लाभ प्राप्त करने का मौका मिलेगा। आप किसी धार्मिक और सामाजिक काम में शामिल हो सकता है। पिता और गुरुजनों का सहयोग और मार्गदर्शन आपके लिए लाभदायक होगा। आपको आज कारोबार व्यापार को विस्तार देने का मौका मिलेगा।

कन्या

आज कोई,उपहार की प्राप्ति हो सकती है और अत्यंत ही शुभ और सुंदर संयोग बना रहा है। आप अपनी इच्छा के अनुसार आज अपने काम और योजना को पूरा कर पाएंगे। आपको आज किसी मित्र या सगे संबंधी से उपहार की प्राप्ति हो सकती है। कारोबार में आपको कोई बड़ा मौका मिल सकता है।

तुला

आज,जिम्मेदारियों में वृद्धि होगी। लेकिन अच्छी बात है कि आपको जीवनसाथी का हर मोड़ पर सहयोग मिलेगा। आपको आज दिन के पहले भाग में पारिवारिक जिम्मेदारियों की वजह से अपनी दिनचर्या में बदलाव करना पड़ सकता है। कमर और घुटनों में आपको परेशानी हो सकती है। जोश में आकर ज्यादा काम लेना हानिकारक हो सकता है।

धनु

आज,पारिवारिक जिम्मेदारी मिल सकती है। स्वास्थ्य को प्रभावित हो सकता है। आपको आज खानपान और आराम का ध्यान रखना चाहिए। जबकि आज कुछ अतिरिक्त पारिवारिक जिम्मेदारी मिल सकती है। आपको आज किसी मित्र या सगे संबंधी से मिलने का मौका मिलेगा।

[illegible]

आज कुछ पुण्य काम कर पाएंगे। पिछले दिन बीते दिनों की अपेक्षा सुखद रहेगा। आप परिवार के साथ मनोरंजक समय बिता पाएंगे। किसी धार्मिक अथवा सामाजिक काम में भाग लेने का आपको मौका मिल सकता है। आज कुछ पुण्य काम भी हो सकता है। भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति होगी। माता और मातृ पक्षसे आपको सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक

आज से कोई,नया काम शुरू कर सकते हैं। आज कार्यक्षेत्र में काम के साथ मनोरंजक पल बिताने का भी मौका मिलेगा। आपका उत्साह आज सातवें आसमान पर रहेगा। आप परिवार के साथ कहीं घूमने का प्लान कर सकते हैं। प्रॉपर्टी से जुड़े काम में भी आपको आज लाभ मिलेगा।

मकर

आज,आज आपको लाभ का मौका मिलेगा।शिक्षा और तकनीकी काम के लिए बहुत ही अच्छा रहेगा। लेकिन खानपान के मामले में आपको संयम रखना होगा। स्वाद के चक्कर में पेट की अनदेखी करेंगे तो अपच से संबंधित समस्या हो सकती है। विदेश से जिन लोगों के काम का संबंध है उनको आज कोई लाभ का मौका मिलेगा।

मीन

आज,आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा। आज आप जोखिम वाले काम से बचें। तीसरे भाव में चंद्रमा और राशि में शनि का गोचर आपको पुरानी चोट की वजह से कष्ट दे सकता है। आज वाहन चलाते समय लापरवाही से बचें। आर्थिक पक्ष आज सामान्य रहेगा। बिजली के उपकरण और वाहन पर खर्च करना पड़ सकता है।

संक्षिप्त समाचार

एशिया-प्रशांत क्षेत्र में रियल एस्टेट निवेश के पसंदीदा शीर्ष 10 गंतव्यों में मुंबई सबसे पीछे

नई दिल्ली , एजेंसी। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सीमा पार रियल एस्टेट निवेश के पसंदीदा शीर्ष 10 गंतव्यों की सूची में मुंबई सबसे निचले स्थान पर है। रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी कोलियर्स इंडिया ने कहा, एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सीमा पार निवेश के लिए तोक्यो सबसे पसंदीदा गंतव्य है। इसके बाद ओसाका और सिडनी का स्थान है। कोलियर्स इंडिया ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट कोलियर्स- 2027 ग्लोबल इन्वेस्टर आउटलुक जारी की। सूची में मेलबर्न और फुकुओका संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। सिंगापुर पांचवें और



ब्रिस्बेन छठे स्थान पर है। साप्पोरो और नागोया सातवें स्थान पर हैं, जबकि सियोल को भी सातवां स्थान दिया गया है। हांगकांग, ऑकलैंड और हो ची मिन्ह सिटी संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर हैं। मुंबई इस शीर्ष 10 सूची में आखिरी स्थान पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, निवेशकों की पसंद वाले प्रमुख क्षेत्रों में कार्यालय परिसर, औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक संपत्तियां, डेटा सेंटर और पर्यटन क्षेत्र शामिल हैं। कोलियर्स की रिपोर्ट में कहा गया कि यह रैंकिंग 2027 में निवेश गतिविधियों के लिए निवेशकों की पसंद को दर्शाती है लेकिन यह निवेश की संभावित मात्रा के आधार पर नहीं है। ऊंची रैंकिंग निवेशकों की अधिक रुचि या सौदों की ज्यादा गतिविधियों का संकेत देती है लेकिन इसका मतलब यह जरूरी नहीं है कि वहां अधिक पूंजी निवेश किया जाएगा। कोलियर्स इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक बादल यान्निक ने कहा कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सीमा पार निवेश के पसंदीदा गंतव्यों में मुंबई का शामिल होना भारत के स्थापित बाजारों और उनकी दीर्घकालिक विकास क्षमता में वैश्विक निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है।

कर्मचारियों ने मांगा 6 प्रतिशत सालाना इंक्रीमेंट, 5 प्रमोशन और 15 लाख बीमा कवर

नईदिल्ली, एजेंसी। 8वें वेतन आयोग को लेकर केंद्रीय कर्मचारियों ने अपनी मांगें तेज कर दी हैं। कर्मचारी संगठन भारत रक्षा मजदूर संघ ने आयोग के सामने 6 प्रतिशत सालाना इंक्रीमेंट, पूरे करियर में पांच बार प्रमोशन और 15 लाख रुपये तक बीमा कवर देने की मांग की है। संगठन ने सैलरी, पेंशन, बोनस और छुट्टियों से जुड़े कुल 73 प्रस्ताव आयोग को सौंपे हैं। मांग है कि कर्मचारियों को फिलहाल मिलने वाले 3 प्रतिशत सालाना इंक्रीमेंट को बढ़ाकर 6 प्रतिशत किया जाए। इसके अलावा महंगाई भत्ते का 50



प्रतिशत हिस्सा बेसिक सैलरी और पेंशन में मर्ज करने का भी प्रस्ताव दिया गया है। 30 साल की नौकरी में पांच बार प्रमोशन की मांग कर्मचारी संगठन ने 30 साल की सेवा के दौरान कम से कम पांच बार वित्तीय अपग्रेडेशन देने की मांग की है। इसके साथ ही प्रमोशन के लिए अधिकतम पांच साल की समयसीमा तय करने और खाली पदों पर निर्भर रहने के बजाय डायनेमिक प्रमोशन सिस्टम लागू करने का प्रस्ताव दिया है।

बीमा कवर 30 हजार से बढ़ाकर 15 लाख करने की मांग- केंद्रीय कर्मचारी समूह बीमा योजना के तहत मिलने वाले बीमा कवर को बढ़ाकर कम से कम 15 लाख रुपये करने की मांग की है। वहीं, डिपॉजिट लिंक्ड इंश्योरेंस की सीमा 10 लाख रुपये करने का प्रस्ताव दिया है।

बहाली और बोनस बढ़ाने की मांग- संगठन ने नई पेंशन योजना और यूनिफाइड पेंशन स्कीम की जगह पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की भी मांग की है।

बिसलेरी का आ गया क्लेरिफिकेशन

143 प्लांटों से निकला पानी का हर बोतल है सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी। बिसलेरी बोतलबंद पानी विवाद में कंपनी का बयान आ गया है। बिसलेरी इंटरनेशनल का कहना है कि उसके देश के सभी 143 ऑपरेशनल प्लांट्स से निकलने वाला बोतलबंद पानी मानव उपयोग के लिए सुरक्षित है। इससे पहले, फूड सेफ्टी रेगुलेटर का स्पष्टीकरण भी आ गया था। सोमवार को जारी अपने क्लेरिफिकेशन में कहा था कि 14 महीने पहले सिर्फ गोवा प्लांट में पैक हुए पानी के एक बैच का सैम्पल लिया गया था। फूड रेगुलेट ने जो पानी बेचने पर प्रतिबंध लगाया था, वह सिर्फ उसी बैच तक सीमित था।

पहले क्या आई थी खबर

पहले ऐसी खबर आई थी कि फूड सेफ्टी रेगुलेटर ने कथित तौर पर असुरक्षित पैकेज्ड पानी बेचने के मामले में बिसलेरी के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। इसके बाद कंपनी ने दावा किया कि उसका पैकेज्ड पानी पीने के लिए सुरक्षित है और वह इस मुद्दे के समाधान के लिए FSSAI के साथ सहयोग करेगी। इसके बाद फूड रेगुलेटर का भी स्पष्टीकरण आ गया।



सिर्फ एक बैच का लिया था सैम्पल- बिसलेरी ने बीते दिनों जारी स्पष्टीकरण का स्वागत करते हुए यह स्पष्ट किया कि उनके सिर्फ गोवा प्लांट में 14 महीने पहले निर्मित एक बैच के एक सैंपल के लिए जांच की गई थी। बिसलेरी प्रतिवर्ष 50,000 से अधिक बैच का उत्पादन करता है। पानी की बिक्री पर जो प्रतिबंध लगाया था, वह सिर्फ एक बैच, 270, पर लागू होता है। वह बैच गोवा प्लांट में 27 सितंबर 2025 को बना था। इस बैच में पैक किए गए बोतलों में से एक भी बोतल का अभी स्टॉक बाजार में नहीं है।

- **ब्रोमेट्स का स्तर मानक से नीचे-** 23 नवंबर 2026 को स्पष्ट और निर्णायक रूप से बताया कि सैम्पल के पुन: परीक्षण या रि-टेस्टिंग में ब्रोमेट्स का लेवल परमिसेबल लिमिट से नीचे पाए गए। टेस्टिंग के लिए कुल 6 सैंपल लिए गए थे, जिनमें पानी एक ही स्रोत से निकाला गया था। शुरुआती टेस्टिंग में सभी 6 सैंपल पास हुए थे। बाद में पुन: परीक्षण में 6 में से 1 सैंपल में मात्रा 0.144 माइक्रोग्राम प्रति लीटर पाई गई। उसी बैच लह्न 270 का एक और सैंपल सभी मापदंडों में पास हुआ।
- **सहयोग जारी रहेगा-** बिसलेरी ने परीक्षण की असंगतियों को उजागर किया था और फरवरी 2026 में रि-टेस्टिंग का अनुरोध किया था। कंपनी का कहना है कि वह एफएसएसएआई के साथ सहयोग जारी रखेगा। अब पीएएच परीक्षण में बिसलेरी के सभी प्लांट के सैंपल में कोई असंगति नहीं दिखी है।
- **बोतलबंद पानी बाजार पर दबदबा-** भारत के बोतलबंद पानी के कारोबार में बिसलेरी ने साल 1965 में एंट्री मारी थी।

भारत को निर्यात करने की इच्छुक उत्तरी इंग्लैंड की कंपनियों की संख्या 10 गुना बढ़ी: सर्वेक्षण



लंदन एजेंसी। उत्तरी इंग्लैंड की भारत में पहली बार कारोबार शुरू करने की इच्छुक कंपनियों की संख्या एक उच्चस्तरीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के भारत दौरे के बाद 10 गुना बढ़ गई है। एक ताजा सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है। ब्रिटेन के प्रमुख हवाईअड्डा समूहों में से एक मैनचेस्टर एयरपोर्ट ग्रुप (एमएजी) और नॉर्दर्न पावरहाउस पार्टनरशिप ने हाल ही में यूके ट्रेड बैरोमीटर सर्वेक्षण जारी किया। इसके तहत हर तिमाही 2,000 कंपनियों के पिछले तीन महीनों के कारोबार और अगली तिमाही की संभावनाओं के बारे में सर्वेक्षण किया जाता है।

सर्वेक्षण के ताजा नतीजों के मुताबिक, उत्तरी इंग्लैंड की 10 प्रतिशत निर्यातक कंपनियों को उम्मीद है कि वे 2026 की चौथी तिमाही में पहली बार भारत को अपना सामान बेचेंगी। पिछली तिमाही में ऐसी कंपनियों की संख्या एक प्रतिशत से भी कम थी। ब्रिटेन के व्यापार सचिव जोनाथन रेनॉल्ड्स ने कहा, हमने भारत के साथ ऐतिहासिक व्यापार समझौता इसी उद्देश्य से किया है कि पूरे ब्रिटेन की कंपनियां अपने कारोबार का विस्तार कर सकें, नए ग्राहक बना सकें और देश के हर क्षेत्र में आर्थिक वृद्धि को गति दे सकें। उनके व्यापार, नवाचार, विज्ञान और व्यापार विभाग (डीबीआईएसटी) ने पिछले महीने भारत आए व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के दौरे को समर्थन दिया था।

उन्होंने कहा, हाल ही में हुए ग्रेट नॉर्थ व्यापारिक दौरे से दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक भारत के साथ हमारे संबंध और मजबूत हुए हैं। अधिक कंपनियों को इससे प्रेरणा लेकर उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। इस उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल में उत्तरी इंग्लैंड के विभिन्न क्षेत्रों के निर्वाचित मेयर के नेतृत्व में 200 से अधिक कंपनियों, विश्वविद्यालयों और सांस्कृतिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल थे। यह प्रतिनिधिमंडल अक्टूबर की शुरुआत में दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और कोलकाता गया था। किम मैकगिनीज ने कहा, जब उत्तरी इंग्लैंड के मेयर भारत के अपने पहले संयुक्त व्यापारिक दौरे का नेतृत्व करने के लिए एक साथ आए।

एक डील और लगातार तीसरे दिन टूटा शेयर, ब्रोकरेज का भी बिगड़ा मूड

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा स्टील के साथ डील के बाद अपोलो ट्यूब्स लिमिटेड के शेयर में भूचाल बरकरार है। सप्ताह के तीसरे दिन बुधवार को अपोलो ट्यूब्स लिमिटेड के शेयर एक बार फिर क्रैश हो गए। इंट्रा-डे के दौरान शेयर करीब 15 पर्सेंट टूटकर 1,334.55 रुपये के निचले स्तर तक आ गया। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो भी है। बता दें कि सोमवार और मंगलवार को भी इस शेयर में बड़ी गिरावट देखी गई। शेयर में गिरावट ऐसे समय में आई है जब टाटा स्टील के साथ डील के बाद कम से कम चार ब्रोकरेज ने इसकी रेटिंग घटा दी है।

कौन-कौन से ब्रोकरेज ने दिया झटका- चार



ब्रोकरेज- सिक्योरिटीज, नुवामा सेंट्रम ब्रोकिंग और एक्सिस कैपिटल ने टाटा स्टील डील की घोषणा के बाद शेयर की रेटिंग कम कर दी है और इसके प्राइस टारगेट में भी भारी कटौती की है। एक्सिस कैपिटल ने अपोलो ट्यूब्स की रेटिंग को बाय (खरीदें) से घटाकर सेल (बेचें) कर दिया है और इसका प्राइस टारगेट 2400 रुपये से 40 प्रतिशत घटाकर 1420 रुपये कर दिया है। वहीं, सिक्योरिटीज ने भी अपोलो की रेटिंग को सेल कर दिया है और इसका प्राइस टारगेट 2200 रुपये से काफी घटाकर 1345 रुपये कर दिया है। इसके अलावा, नुवामा ने अपोलो ट्यूब्स की रेटिंग को बाय (खरीदें) से घटाकर होल्ड (बनाए रखें) कर दिया है और इसका प्राइस टारगेट 2380 से घटाकर 1739 कर दिया है। इसी तरह, सेंट्रम ब्रोकिंग की बात करें तो इस स्टॉक की रेटिंग को न्यूट्रल से घटाकर सेल कर दिया है और इसका प्राइस टारगेट 2250 से घटाकर 1500 कर दिया है।

कश्मीर के युवा ने सोना बेचकर शुरू किया बिजनेस, आज 22 साल की उम्र में खड़ी कर दी 2.5 करोड़ की कंपनी





सोशल मीडिया बना फ्री मार्केटिंग का जरिया

नईदिल्ली, एजेंसी। कहते हैं कि अगर कुछ करने का जुनून हो तो मुश्किल रास्ते भी आसान हो जाते हैं। दक्षिण कश्मीर के त्राल निवासी 22 वर्षीय मुर्तजा रफीक ने इसे सच कर दिखाया है। महज 18 साल की उम्र में परिवार-दोस्तों से उधार लेकर और अपना सोना बेचकर कारोबार शुरू करने वाले मुर्तजा आज स्पीडी कार्ट नाम का सफल डिलीवरी स्टार्टअप चला रहे हैं। उनकी कंपनी में 90 लोग काम करते हैं और वित्त वर्ष 2025-26 में इसने 2.5 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल किया है।

सोशल मीडिया पर पड़ी बिजनेस की नींव- मुर्तजा की उद्यमिता की नींव सोशल मीडिया पर पड़ी। उन्होंने 2017 में महज 13 साल की उम्र में वीडियो बनाना शुरू किया। शुरुआती दौर में गांव और स्कूल के लोग उनका मजाक उड़ाते थे, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी।

मुर्तजा ने अपनी सोशल मीडिया लोकप्रियता को कंपनी का सबसे बड़ा हथियार बनाया। वे खुद वीडियो बनाकर ऐप का प्रचार करते हैं और खुद को कंपनी का सेल्सपर्सन मानते हैं। इससे बिना भारी विज्ञापन खर्च के कंपनी घर-घर पहुंच गई। सोशल मीडिया के जरिए ही उनके जिले के दो युवा निवेशकों ने उनसे संपर्क किया और कंपनी की बैलेंस शीट देखकर निवेश करने के लिए आगे आए। मुर्तजा खुद भी सोशल मीडिया से हर महीने करीब 2 लाख रुपये कमा लेते हैं।

करोड़ों रुपये पहुंचा रेवेन्यू- आज स्पीडी कार्ट के पास 6 स्टोर हैं और यह त्राल, अवंतीपुरा सहित दक्षिणी कश्मीर के कई हिस्सों में सेवाएं दे रही है। कंपनी 10 किलोमीटर के दायरे में 30 से 40 मिनट में डिलीवरी करती है। पिछले दो साल में कंपनी 2.5 लाख से अधिक ऑर्डर पूरे कर चुकी है। कंपनी का रेवेन्यू वित्त वर्ष 2024-25 के 1.5 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-26 में 2.5 करोड़ रुपये पहुंच गया है। मुर्तजा का अगला लक्ष्य साल 2027 के अंत तक स्पीडी कार्ट को देश के 10 से 12 राज्यों तक ले जाना है।

कई चीजें एक साथ कर सकते हैं ऑर्डर

स्पीडी कार्ट की सबसे बड़ी खासियत इसकी विविधता है। यह सिर्फ खाना या किराना पहुंचाने वाला ऐप नहीं है, बल्कि एक ऑल-इन-वन प्लेटफॉर्म है। यहां ग्राहक एक साथ बिरयानी, जूते, हेडफोन, कपड़े और इलेक्ट्रॉनिक्स ऑर्डर कर सकते हैं। कंपनी ने स्थानीय ग्राहकों की पसंद को समझते हुए कश्मीरी केसर और हरीसा जैसे पारंपरिक व्यंजनों के साथ-साथ कोरियन स्किनकेयर प्रोडक्ट्स भी उपलब्ध कराए हैं। इसके लिए कंपनी ने अपने डार्क स्टोर, क्लाउड किचन और डिलीवरी टीम तैयार की है।

असंगठित क्षेत्र की सितंबर तिमाही में रिकॉर्ड तेजी, वेतन वाले रोजगार में सुस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के असंगठित गैर-कृषि क्षेत्र में जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान प्रतिष्ठानों की संख्या सालाना आधार पर 18.81 प्रतिशत बढ़कर 9.47 करोड़ हो गई। हालांकि, इस दौरान रोजगार में हुई तेज वृद्धि का बड़ा हिस्सा स्वरोजगार से आया, जबकि वेतन पर काम करने वाले कर्मचारियों की संख्या में अपेक्षाकृत कम वृद्धि हुई। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के वार्षिक असंगठित क्षेत्र उद्यम सर्वेक्षण (एएसयूएसई) के नवीनतम तिमाही बुलेटिन में यह जानकारी दी गई है। इसके मुताबिक, इस दौरान क्षेत्र में कुल रोजगार 16.86 प्रतिशत बढ़कर 15.03 करोड़ हो गया। प्रतिष्ठानों और रोजगार, दोनों में वृद्धि की यह दर तिमाही श्रृंखला में अब तक की सबसे अधिक है। हालांकि, रोजगार की संरचना में स्वरोजगार का हिस्सा बढ़ा है। कुल कार्यबल में खुद अपने प्रतिष्ठानों में काम करने वाले मालिकों की हिस्सेदारी बढ़कर 61.99 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले 59.98 प्रतिशत थी। इसके विपरीत, वेतन पर काम करने वाले कर्मचारियों की हिस्सेदारी घटकर 23.22 प्रतिशत रह गई। तिमाही के दौरान वेतनभोगी कर्मचारियों की संख्या करीब पांच प्रतिशत बढ़कर 3.49 करोड़ हो गई।

छोटी कंपनी के हाथ लगा मेगा ऑर्डर, शेयर पर टूट पड़े लोग

नईदिल्ली, एजेंसी। *एक छोटी कंपनी आरएमसी स्विचगियर्स के शेयरों पर बुधवार को निवेशक टूट पड़े हैं। कंपनी के शेयर खरीदने की होड़ है। आरएमसी स्विचगियर्स के शेयरों में तूफानी तेजी भी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर बुधवार को 20 पर्सेंट के उछाल के साथ 197.75 रुपये पर पहुंच गए हैं। बुधवार को सुबह 10 बजे पर आरएमसी स्विचगियर्स के 18000 से ज्यादा बाय ऑर्डर पेंडिंग दिखा रहे हैं। आरएमसी स्विचगियर्स को एक मेगा ऑर्डर मिला है और इसी के बाद कंपनी के शेयरों में यह तेज उछाल आया है।*

कंपनी को मिला है 521.83 करोड़ रुपये का बड़ा ऑर्डर- *आरएमसी स्विचगियर्स को महाराष्ट्र स्टेट यूटिलिटी से 521.83 करोड़ रुपये का लेटर ऑफ अवॉर्ड मिला है। यह ऑर्डर डिस्ट्रीब्यूशन इंफ्रास्ट्रक्चर के डिवेलपमेंट और सिस्टम-स्ट्रेंथनिंग वर्क्स के लिए है। इस कॉन्ट्रैक्ट में सप्लाई, टेस्टिंग, ट्रांसपोर्टेशन, कंस्ट्रक्शन और नए सब-स्टेशंस की टेस्टिंग एंड कमीशनिंग, मौजूदा सबस्टेशंस को बढ़ाने, एडिशनल पावर ट्रांसफॉर्मर्स, एचटी लाइंस और दूसरे एलाइड वर्क्स शामिल हैं। इस प्रोजेक्ट को 24 महीने में पूरा किया जाना है।*

आरएमसी स्विचगियर्स को मिला यह ऑर्डर, इसके मार्केट कैप के दोगुना से ज्यादा है। आरएमसी स्विचगियर्स का मार्केट कैप बुधवार को 208.46 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

1000 प्रतिशत से ज्यादा उछल गए हैं आरएमसी स्विचगियर्स के शेयर- *आरएमसी स्विचगियर्स के शेयरों में पिछले 5 साल में जबरदस्त तेजी आई है। अदर इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट इंडस्ट्री से जुड़ी इस कंपनी के शेयर 5 साल में 1000 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर 26 नवंबर 2021 को 17.80 रुपये पर थे। आरएमसी स्विचगियर्स के शेयर 25 नवंबर 2026 को 197.75 रुपये पर जा पहुंचे हैं।*

एक साल में 62 प्रतिशत लुढ़क गए हैं कंपनी के शेयर- *आरएमसी स्विचगियर्स के शेयर पिछले एक साल से दबाव में हैं। कंपनी के शेयरों में पिछले एक साल में 62 पर्सेंट की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयर 25 नवंबर 2025 को 519.75 रुपये पर थे। आरएमसी स्विचगियर्स के शेयर 25 नवंबर 2026 को 197.75 रुपये पर पहुंच गए हैं। इस साल अब तक कंपनी के शेयरों में 52 पर्सेंट की गिरावट आई है। वहीं, पिछले 6 महीने में आरएमसी स्विचगियर्स के शेयर 49 पर्सेंट टूट गए हैं। पिछले 3 महीने में कंपनी के शेयर 22 पर्सेंट से अधिक लुढ़क गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 555.10 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का निचला स्तर 163.35 रुपये है।*

बोनस शेयर भी दे चुकी है कंपनी

स्मॉलकैप कंपनी आरएमसी स्विचगियर्स अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर का तोहफा भी दे चुकी है। आरएमसी स्विचगियर्स ने अक्टूबर 2023 में अपने निवेशकों को 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। यानी, कंपनी ने हर 2 शेयर पर 1 बोनस शेयर दिया। आरएमसी स्विचगियर्स को चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में 8.32 करोड़ रुपये का कंसॉलिडेटेड मुनाफा हुआ है।

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम
8, जनमार्ग, सेक्टर-9-डी, चंडीगढ़





सार्वजनिक सूचना

विषय: आवंटी/हस्तांतरी **श्रीमती राजिवंदर कौर पत्नी स्व. श्री सुरिंदर सिंह** की निर्वसीयत मृत्यु के आधार पर **श्रीमती प्रीत कौर मंगोली पुत्री स्व. श्री सुरिंदर सिंह, पत्नी श्री सुरिंदर कुमार मंगोली** के नाम में ड्वेलिंग यूनिट सं. **187-2,** श्रेणी-II, सेक्टर-55 (पलसोरा), चंडीगढ़ का हस्तांतरण/नामांत्रण।

आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि ड्वेलिंग यूनिट सं. **187-2,** श्रेणी-II, सेक्टर-55 (पलसोरा), चंडीगढ़ की आवंटी/हस्तांतरी **श्रीमती राजिवंदर कौर पत्नी स्व. श्री सुरिंदर सिंह** की उनके कानूनी उत्तराधिकारियों द्वारा सूचित अनुसार **02.09.2008 को चंडीगढ़** में मृत्यु हो चुकी है। **श्रीमती प्रीत कौर मंगोली पुत्री स्व. श्री सुरिंदर सिंह, पत्नी श्री सुरिंदर कुमार मंगोली** ने **श्रीमती राजिवंदर कौर पत्नी स्व. श्री सुरिंदर सिंह** की निर्वसीयत मृत्यु के आधार पर अपने नाम में ड्वेलिंग यूनिट सं. **187-2,** श्रेणी-II, सेक्टर-55 (पलसोरा), चंडीगढ़ के स्वामित्व के हस्तांतरण हेतु आवेदन किया है। उसके द्वारा आगे सूचित किया गया है कि कोई अन्य कानूनी उत्तराधिकारी पीछे नहीं छोड़ा गया है।

यदि किसी व्यक्ति को ड्वेलिंग यूनिट में दावा/अधिकार/रूचि के संबंध में कोई आपत्ति हो, जो चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड द्वारा **श्रीमती प्रीत कौर मंगोली (पुत्री)** के पक्ष में हस्तांरित की जानी प्रस्तावित है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 21 दिनों के अंदर लिखित में अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरी को प्रस्तुत कर सकता/सकते है, जिसमें असफल होने पर उक्त ड्वेलिंग यूनिट का पंजीकरण एवं आवंटन उक्त कथित दावेदारों के पक्ष में हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड,
चंडीगढ़

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम
8, जनमार्ग, सेक्टर-9-डी, चंडीगढ़

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित व्यक्तियों ने चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड (आवंटन, प्रबंधन एवं टेनामेंट की बिक्री) विनियमनों 1979 के विनियम 16 के अधीन अपने नामों में **रक्त संबंध हस्तांतरण नीति** के अंतर्गत निम्न कथित ड्वेलिंग यूनिट के आवंटन के हस्तांतरण हेतु आवेदन किया है :

क्र. सं.	आवेदक का नाम (प्रस्तावित हस्तांतरी)	आवंटी/हस्तांतरी का नाम (प्रस्तावित हस्तांतरणकर्ता)	डी.यू. सं.	श्रेणी	सेक्टर
1.	श्री पुनीत सूद पुत्र स्व. श्री बृज भूषण सूद	श्रीमती पूनम सूद पत्नी श्री बृज भूषण सूद	3008-1	एलआईजी	41-डी, चंडीगढ़

यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित ड्वेलिंग यूनिट के आवंटन के हस्तांतरण के संबंध में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति, यदि कोई हो, इस सूचना के प्रकाशन के 21 दिनों के भीतर लिखित में दस्तावेजी प्रमाण, यदि कोई हो, के साथ अधोहस्ताक्षरी के समक्ष दर्ज करें।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड,
चंडीगढ़

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम
8, जनमार्ग, सेक्टर-9-डी, चंडीगढ़

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित व्यक्तियों ने चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड (आवंटन, प्रबंधन एवं टेनामेंट की बिक्री) विनियमनों 1979 के विनियम 16 के अधीन अपने नामों में **रक्त संबंध हस्तांतरण नीति** के अंतर्गत निम्न कथित ड्वेलिंग यूनिट के आवंटन के **2/3 हिस्से** के हस्तांतरण हेतु आवेदन किया है :

क्र. सं.	आवेदक का नाम (प्रस्तावित हस्तांतरी)	आवंटी/हस्तांतरी का नाम (प्रस्तावित हस्तांतरणकर्ता)	डी.यू. सं.	श्रेणी	सेक्टर
1.	श्री लवलीन सूद पुत्र स्व. श्री बृज भूषण सूद (1/3 हिस्सा	(i) श्रीमती पूनम सूद पत्नी स्व. श्री बृज भूषण सूद एवं (ii) श्री पुनीत सूद पुत्र स्व. श्री बृज भूषण सूद (1/3 हिस्सा प्रत्येक)	3022	एलआईजी	41-डी, चंडीगढ़

यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित ड्वेलिंग यूनिट के आवंटन के हस्तांतरण के संबंध में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति, यदि कोई हो, इस सूचना के प्रकाशन के 21 दिनों के भीतर लिखित में दस्तावेजी प्रमाण, यदि कोई हो, के साथ अधोहस्ताक्षरी के समक्ष दर्ज करें।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड,
चंडीगढ़



इन टिप्स को अपनाकर बन सकते हैं एक अच्छा मैनेजर

किसी भी संस्थान में एक मैनेजर की अहम भूमिका होती है। अगर आप भी अपने करियर में आगे बढ़ते हुए इस पद पर पहुंच गए हैं या पहुंचना चाहते हैं तो आपको अपने कार्यक्षेत्र के अलावा और भी चीजों पर ध्यान देना होगा। आपको अपनी सॉफ्ट स्किल्स की असली परीक्षा यही देनी होती है। एक लीडर के रूप में आप सभी सफल हो सकते हैं जब आपके कर्मचारी आपके साथ खुश, प्रेरित और उत्साहित महसूस करें।

कर्मचारियों को प्रेरित करना

अगर आप अपनी टीम का सम्मान करेंगे तो वे आपका सम्मान करेंगे। आपको उनकी हर छोटी-बड़ी चीजों का एप्रिशियेट करना होगा। उनसे अपने काम की ही फीडबैक न लेते रहें, बल्कि उनकी व्यक्तिगत समस्याओं को शेयर करने के लिए भी प्रोत्साहित करें।

फील गुड कराएं

कर्मचारियों से केवल काम लेना है, ऐसी सोच आपके अच्छे मैनेजर बनने का गुण नहीं है। एक सफल मैनेजर में अपने कर्मचारियों की अच्छी बातों और क्षमताओं को पहचाने की समझ होती है। उनका मनोबल बढ़ाने के साथ उन्हें ऐसा माहौल दें कि वे बेहिचक काम कर सकें।

पीठ पीछे भी प्रशंसा

आपको उनके काम, व्यवहार, उदारता की तारीफ उनके सामने तो करनी ही चाहिए। साथ ही आपको उनके पीठ पीछे भी तारीफ करना चाहिए। एक कर्मचारी जो जानता है कि उसकी कितनी प्रशंसा की जाती है तो वह ज्यादा मेहनत करेगा, अपने काम में ज्यादा आनंद लेगा और इस मानसिक खुशी को वह दूसरे कर्मचारियों के साथ बांटेगा।

जिम्मेदारी सौंपे

आप एक मैनेजर है क्योंकि आप अपने काम में एक्सपर्ट है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपको सारा काम खुद करना है। आपको यह समझ होनी चाहिए कि कौन सा काम,कौन सा कर्मचारी बखूबी पूरा कर सकता है। आपको अपने कर्मचारी को सीखने और नए अवसर देने की कोशिश करनी चाहिए। धीरे-धीरे जैसे आप उनकी सक्षमता और कमजोरियों को समझने लगें उन्हें ज्यादा जिम्मेदारी के काम सौपें।



वैश्विक करियर बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार करता है विदेश में अध्ययन

आज दुनिया पहले से कहीं ज्यादा एक-दूसरे से जुड़ गई है और विदेश में पढ़ाई करना इसका सिर्फ एक पहलू है। विदेश में पढ़ाई करना किसी के भी जीवन की महत्वपूर्ण अवधि है। इसमें बहुत सारे जोखिम, समझ और व्यक्तिगत विकास शामिल हैं। यह छात्रों पर गहरा प्रभाव डालता है क्योंकि वे विभिन्न प्रकार की संस्कृतियों, विचारों के विभिन्न स्कूल, धर्मों और परंपराओं का अनुभव करते हैं जो जीवन के प्रति पूरी तरह से उदार रवैया रखते हैं। इसके अलावा, छात्रों के अध्ययन की देखरेख करता है और अध्ययन और अनुसंधान के नए तरीकों की खोज करता है जो उन्हें वैश्विक करियर बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार करता है।

अग्रिम शैक्षणिक तैयारी

शैक्षणिक उपलब्धि भविष्य की उपलब्धियों के लिए महत्वपूर्ण कदम और रोजगार में प्रतिस्पर्धा पर बढ़त हासिल कर सकती है। आप अपने आप को आराम क्षेत्र से बाहर चुनौती देने के लिए विभिन्न शिक्षण शैली से सीख पाएंगे जो आपको अपरिचित वातावरण के अनुकूल होने के लिए तैयार करता है।

आजीवन अवसर

जैसा कि आप छात्रों को जीवनकाल में तेजी से बढ़ने और शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने का अवसर मिलता है, इसलिए नई दुनिया और सीखने के अनुभव का पता लगाने और खोजने के लिए इस अवसर को अवश्य पकड़े।

लाइफटाइम कनेक्टिविटी

साथी छात्रों, शिक्षकों, पेशेवरों और परिवारों के लंबे समय तक चलने वाले संपर्कों के एक नेटवर्क पर टैप करें जो विदेशों में आपको प्रदान करता है, यह आपके जीवन को समृद्ध करता है, जो अक्सर महान अवसरों की ओर ले जाता है।

नई जानकारी

अपने विदेश प्रवास के दौरान, आप दुनिया के बारे में बहुत सी नई चीजें सीखेंगे जो आपके देश में रहने के दौरान संभव नहीं थी। एक नए वातावरण में रहने से आपके सोचने के तरीके को एक नया दृष्टिकोण मिलता है।

नई भाषा / संस्कृति

अलग-अलग देश में रहने से आपको एक अलग भाषा सीखने का मौका मिलता है। कई लोग नई भाषा और संस्कृति सीखने में रुचि रखते हैं, लेकिन जब आप देश में रहते हैं तो उनके सांस्कृतिक मूल्यों के साथ-साथ सीखना एक नया अनुभव होता है।
सांस्कृतिक मतभेद भाषा, भोजन या आदतों के अंतर से अधिक हैं। बाजार में कई किताबें उपलब्ध हैं या कोई टीवी पर किसी देश और उसकी परंपरा के बारे में जानकारी देते हुए शो देख सकता है। लेकिन जब आप देश में रहते हैं और लोगों के साथ बातचीत करते हैं तो आप क्या सीखते हैं, तभी आप सही मायने में किसी अन्य संस्कृति को समझ सकते हैं।

आत्म ज्ञान

अपनी पढ़ाई पूरी करने और घर लौटने के बाद, आप अपने व्यक्तित्व में बदलाव देखेंगे और अपने और जीवन के प्रति पूरी तरह से अलग दृष्टिकोण रखेंगे।

अनुभव

जब आप बिल्कुल नए वातावरण में अध्ययन करते हैं, तो कभी-कभी आप ऐसी स्थितियों में हो सकते हैं जो बिल्कुल नए हैं और बहुत चुनौतीपूर्ण हैं। ऐसी स्थितियों को संभालने से आपको कुशलतापूर्वक सीखने, समायोजित करने और जवाब देने, अपनी ताकत और क्षमताओं को खोजने और शूटिंग कौशल को परेशान करने का एक शानदार अवसर मिलता है।

सीखने की शैली

हर देश में पढ़ाने का अपना तरीका होता है। विदेशों में अध्ययन करना आपके द्वारा उपयोग किए जाने वाले तरीकों से बहुत भिन्न होने की संभावना है। शिक्षण की एक अलग शैली के माध्यम से सीखना बहुत उपयोगी साबित हो सकता है क्योंकि इससे यह समझने में मदद मिलती है कि कुछ करने के कई तरीके हो सकते हैं।

पाठ्यक्रमों की विविधता

जो विकल्प आपको अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में मिलते हैं, वे आपको अपने देश में कभी नहीं मिलेंगे।

व्यवसाय

पढ़ाई पूरी करने के बाद जब आप नौकरी की तलाश कर रहे होंगे तो, आपको हमेशा उन छात्रों पर फायदा होगा जिन्होंने राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में अपनी शिक्षा पूरी की है। दुनिया भर की कंपनियां दूसरे देशों में निवेश करना जारी रखती हैं, ऐसे लोगों की जरूरत पैदा करती हैं जो विविध संस्कृतियों से निपटने में सक्षम हैं। नियोक्ता के अनुसार, एक व्यक्ति जिसने विदेश में अध्ययन किया है वह आत्मनिर्भर है, आत्म-प्रेरित है, चुनौतियों को उठाना पसंद करता है। विदेशों में रहने और अध्ययन करने का आपका अनुभव, एक नई भाषा और संस्कृति का ज्ञान आपको अपने सपनों की नौकरी प्राप्त करने में ऊपर सेट करता है।

ग्लोबल विचार

विदेशों में अध्ययन करने से देशों को आतंकवाद, ग्लोबल वार्मिंग और वैश्विक स्तर पर जनसंख्या वृद्धि जैसे मुद्दों से निपटने में भी मदद मिल सकती है। छात्र ऐसे मुद्दों पर बैठकर चर्चा कर सकते हैं और अन्य छात्रों को अपने देशवासियों के सामने आने वाली समस्या को समझने में मदद कर सकते हैं और खुद को अन्य देशों के लोगों द्वारा सामना की जा रही समस्या को भी समझ सकते हैं। विदेशों में अध्ययन करने से यह भी अधिक लाभ होता है कि यह साथी छात्रों के बीच सद्भाव और स्नेह बढ़ाता है और अपने देशवासियों के लिए भले ही उनकी जाति, रंग और पंथ के बावजूद ये चीजें एक वास्तविक समान वातावरण बनाती हैं जहां केवल मानवता किसी भी पूर्वाग्रह के साथ मायने रखती है।





ऑफिस में आपके व्यवहार से प्रतिबिंबित होते हैं लीडरशिप के गुण

जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है।

किसी भी सेक्टर में या किसी भी ऑफिस में, ऐसे लोग होते हैं जो दूसरों को उनका काम करने में मार्गदर्शन देते हैं। जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है। कारण यह कि बैंक में किसी भी दिन ऐसी कई स्थितियां बन सकती हैं, जिनमें संभव है कि ब्रांच मैनेजर भी न समझ पाए कि क्या किया जाना चाहिए। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि ब्रांच में कोई तो हो, जो रास्ता दिखा सके। एक बैंकर को अच्छा लीडर बनाने वाले गुण इस प्रकार हैं -

त्वरित बुद्धि

यह सबसे ज्यादा जरूरी है क्योंकि जब भी पैसों संबंधी कोई समस्या उठ खड़ी होती है, तो अक्सर लोगों का दिमाग काम करना बंद कर देता है। आखिर सवाल रुपए-पैसों का जो है! ऐसी स्थिति में एक लीडर की त्वरित बुद्धि के चलते उसके समक्ष एक नहीं, अनेक उपाय उठ खड़े होंगे। तब वह उनमें से श्रेष्ठ उपाय को चुनकर लागू करेगा।

ठंडा दिमाग

लीडरशिप के लिए यह बहुत जरूरी होता है। बैंकिंग में आपका पाला कई लोगों से पड़ेगा और सब एक जैसे नहीं होंगे। ऐसे भी लोग होंगे, जो बैंक में आकर आपसे या स्टाफ के किसी अन्य सदस्य से बहस करेंगे लेकिन ऐसे में आपको अपना संतुलन नहीं खोना है। याद रखें, वह व्यक्ति तो अपना काम कराकर चला जाएगा लेकिन यदि आप गरम दिमाग से दिन भर काम करेंगे, तो आपसे जरूर कोई-न-कोई गलती हो ही जाएगी! इसलिए लीडर के लिए हर हाल में शांत बने रहना जरूरी है। वैसे भी ग्राहक तो ग्राहक होता है और बैंक कर्मचारी के तौर पर आपका काम उसकी सेवा करना ही है।

लचीलापन

लीडर होने का यह मतलब नहीं कि आप अपनी मर्जी से लोगों को हांक लेंगे। यह संभव नहीं कि किसी के पास हर समस्या का समाधान हो। हो सकता है कि आपके पास किसी समस्या का समाधान न हो लेकिन किसी और के पास यह होगा। आपको उस शख्स की मदद लेनी होगी ताकि काम हो सके। एक सच्चा लीडर इतना लचीलापन हमेशा रखता है।

अच्छे संबंध रखें

बैंकिंग में यह बहुत जरूरी है क्योंकि बैंकिंग का व्यवसाय मूल रूप से विश्वास पर ही टिका होता है। आपको ब्रांच के हर कर्मचारी तथा ग्राहक के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखने होते हैं। इससे ब्रांच में माहौल सकारात्मक बना रहता है।

दूसरों का सहारा बनें

गलती हर किसी से होती है और बैंकिंग में होने वाली गलती पैसे से जुड़ी ही होगी। बैंकर के रूप में, आपको जरूरत के समय अपने साथियों का साथ देना चाहिए। इससे उनकी नजरों में आप सच्चे लीडर होंगे।

लगन व परिश्रम

लीडर होने का मतलब है दूसरों के लिए मिसाल पेश करना और लगनशील व परिश्रमी होने की मिसाल से बेहतर क्या हो सकता है? जब साथी आपको मेहनत कर परिणाम प्राप्त करते देखेंगे, तो वे भी ऐसा ही करने को प्रेरित होंगे।

औरों से दो कदम आगे रहें

बैंकिंग जैसे प्रतिस्पधी क्षेत्र में यह बहुत जरूरी है कि लीडर अपनी सोच और अपने व्यवहार में दूसरों से हमेशा दो कदम आगे रहे। तभी तो वह अपने संस्थान को आगे ले जा पाएगा।



वैज्ञानिक अध्ययनों का अनिवार्य अंग है गणित

गणित मनुष्य के ज्ञान की एक अत्यधिक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई विषय शामिल हैं। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है और आज भी यहां गणित में विश्व स्तर के अनुसंधान करने वाले अनेक संस्थान हैं। गणनाओं में रुचि रखने वाले युवा बड़ी संख्या में गणित को करियर के रूप में चुनते हैं। गणित लगभग सभी वैज्ञानिक अध्ययनों का एक अनिवार्य अंग है। वैज्ञानिक गणित का उपयोग प्रयोगों की रूपरेखा बनाने, सूचना का विश्लेषण करने, गणित के सिद्धांतों द्वारा अपने निष्कर्ष उचित रूप में व्यक्त करने तथा इन निष्कर्षों के आधार पर सटीक भविष्यवाणी करने के लिए करते हैं। खगोल विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान जैसे विषय तो गणित पर ही निर्भर हैं। सामाजिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, इंजीनियरिंग आदि भी गणित की ही शाखाओं पर निर्भर होते हैं।
गणित में विशेषज्ञतापूर्ण कोर्स चलाने वाले देश के अन्य प्रमुख संस्थान इस प्रकार है -

- औद्योगिक गणित में पाठ्यक्रम पुणे विश्वविद्यालय, पुणे में उपलब्ध है।
- न्यूमेरिकल मैथमेटिक्स पाठ्यक्रम मदुरै कामराज विश्वविालय, मदुरै में उपलब्ध है।
- गणितीय अर्थशास्त्र में पाठ्यक्रम देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में उपलब्ध है।
- इसके अलावा एमएससी व पीएचडी कोर्स के लिए देश के प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं -
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), मुंबई। लिखित परीक्षा तथा उसके बाद साक्षात्कार के माध्यम से इस संस्थान के पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), पुणे/ मोहाली/ कोलकाता/ तिरुवनंतपुरम/ भोपाल तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईएसईआर), भुवनेश्वर में भी गणित में एकीकृत एमएससी डिग्री कोर्स उपलब्ध है। आईआईएसईआर विद्यार्थियों को आईआईटी प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश देता है, जबकि एनआईएसईआर नेशनल एंट्रेंस स्क्रीनिंग टेस्ट (एनईएसटी) के माध्यम से प्रवेश देता है।
- हैदराबाद विश्वविालय द्वारा गणित में एकीकृत एमएससी पाठ्यक्रम चलाया जाता है। यह विश्वविद्यालय जून के आरंभ में आयोजित की जाने वाली लिखित परीक्षा के माध्यम से प्रवेश देता है।

वैज्ञानिक अध्ययनों का अनिवार्य अंग है गणित

गणितज्ञ

गणितज्ञों को गणित का अध्ययन अथवा अनुसंधान करना होता है। वे गणित के अनसुलझे रहस्यों को उजागर करने का प्रयास करते हैं।

शिक्षण

गणित पूरी स्कूली शिक्षा में एक मुख्य विषय होता है। यदि आपमें संख्याओं के प्रति गहरा आकर्षण है और विद्यार्थियों को पढ़ाने में आपकी रुचि है, तो आप शिक्षण के क्षेत्र में भी करियर बना सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले गणितज्ञों का अध्यापन तथा अनुसंधान में खास योगदान होता है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

सॉफ्टवेयर इंजीनियर सॉफ्टवेयर के प्रयोग तथा उनकी प्रणाली का सृजन, परीक्षण, विश्लेषण व मूल्यांकन करने के लिए कम्प्यूटर विज्ञान और गणितीय विश्लेषण के सिद्धांतों को कार्यान्वित करते हैं।

बैंकिंग

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के चलते बैंक तेजी से अपनी शाखाएं बढ़ा रहे हैं, जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के हजारों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। गणित में महारथ रखने वाले युवा बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं।

चार्टर्ड अकाउंटेंट

उदारीकरण के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के तीव्र विकास के चलते अकाउंट्स तथा फाइनेंस के क्षेत्र में करियर ने खूब लोकप्रियता अर्जित की है। इस क्षेत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट का एक अत्यधिक प्रतिष्ठित करियर विकल्प है। मैथ्स व कॉमर्स में रुचि रखने वाले युवा इस क्षेत्र में बढ़िया करियर बना सकते हैं।



वैभव सूर्यवंशी ने उड़ाया गर्दा, लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

लिस्ट-ए क्रिकेट में जड़ा सबसे तेज 'दोहरा शतक'

नई दिल्ली । 15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के तूफानी 'दोहरे शतक' की मदद से भारत-ए ने मंगलवार को यूएई के खिलाफ 7 विकेट से दमदार जीत दर्ज की। इस दौरान वैभव ने लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक, सबसे तेज 150 रन और सबसे तेज दोहरे शतक के साथ सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी यूएई की टीम ने हरप्रीत सिंह भाटिया (130) की शतकीय पारी की मदद से 8 विकेट खोकर 249 रन बनाए थे। इस पारी में अरशद खान ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए। इसके बाद वैभव ने तूफानी पारी खेलकर भारतीय टीम को महज 14.2 ओवरों में जीत दिला दी। यूएई के खिलाफ महज 28 गेंदों में शतक जड़कर वैभव सूर्यवंशी लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। मंगलवार को यूनिवर्सिटी ऑफ दोहा फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में वैभव ने 53 गेंदों में 7 चौकों और 28 छक्कों के साथ 204 रन कूटे। इसी के साथ वैभव ने साउथ अफ्रीका के जेक फ्रेजर-मैकगर्क का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने साल 2023 में तस्मानिया के खिलाफ 29 गेंदों में शतक पूरा किया था। इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर साउथ अफ्रीका के दिग्गज एबी डिविलियर्स हैं, जिन्होंने साल 2015 में वेस्टइंडीज के विरुद्ध 31 गेंदों में यह कारनामा किया था। बिहार की तरफ से खेलते हुए सकीबुल गनी ने साल 2025 में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 32 गेंदों में शतक पूरा किया था।



वैभव सूर्यवंशी ने इतिहास रचने से पहले की थी युवराज सिंह से बात, कहा- उनकी सलाह से मदद मिली

नई दिल्ली । एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट के दौरान मंगलवार को इंडिया ए की तरफ से खेलते हुए सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने ऐतिहासिक पारी खेली। यूएई ए के खिलाफ वैभव ने मात्र 53 गेंदों पर 28 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 204 रन की पारी खेली। इस दौरान वैभव ने 28 गेंदों पर शतक और 52 गेंदों पर दोहरा शतक लगाया। वैभव द्वारा लगाया गया लिस्ट ए इतिहास का यह सबसे तेज शतक और दोहरा शतक है। वैभव ने इस ऐतिहासिक पारी को खेलने के बाद बीसीसीआई टीवी से बात करते हुए कहा कि पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह से हुई आधे घंटे की बातचीत ने यूएई के खिलाफ मैच से पहले उनका आत्मविश्वास बढ़ाया। सूर्यवंशी ने कहा, 'मैंने कल सिर्फ चार लोगों से बात की। इसमें मेरे पिता, मेरे बचपन के कोच मनीष ओझा, मेरे अंडर-19 के दोस्त प्रथम जाचक और युवराज सिंह थे। युवराज सिंह से मैंने लगभग आधे घंटे तक बात की। उन्होंने मुझे मेरी बैटिंग के बारे में काफी कुछ समझाया। मैं काफी परेशान था।' उन्होंने कहा, 'मैं जब बैटिंग करने जाता था, तो मुझे जो दिक्कतें आ रही थीं, उनके बारे में मैंने उनसे खुलकर बात की। उन्होंने मुझे सब कुछ बहुत अच्छे से समझाया। उन्होंने मुझसे कहा कि अगर मैं 20 बॉल खेलता, तो स्कोर अलग होता। उन्होंने मुझे कुछ तकनीकी बातें भी समझाईं, जिससे मुझे बहुत मदद मिली।'

आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी

श्रीलंका बनी चैंपियन, फाइनल में आयरलैंड को 6 विकेट से हराया

अजमान । श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम ने आयरलैंड को 6 विकेट से हराकर आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया है। यह टूर्नामेंट का दूसरा संस्करण था। श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की टीम 19.3 ओवर में 96 रन पर सिमट गई। आयरलैंड की तरफ से अलाना डलजेल ने सबसे ज्यादा 24 रन बनाए। इसके अलावा, एमी हंटर ने 10, लुसी लिटिल ने 15 और जॉर्जिना डिंप्सी ने 13 रन बनाए। श्रीलंका की तरफ से सत्या संदीपनी ने



शानदार गेंदबाजी की और 4 ओवर में मात्र 13 रन देकर 4 विकेट लिए। इसके अलावा, चेथना, सुगंदीका, निमाशा और कविशा ने 1-1 विकेट लिए। श्रीलंका ने 97 रन का लक्ष्य 12.4 ओवर में 4 विकेट खोकर 99 रन बनाकर हासिल कर लिया। 44 गेंद शेष रहते मिली 6 विकेट की बड़ी जीत के साथ श्रीलंका टूर्नामेंट की चैंपियन बनी। श्रीलंका की तरफ से इमेशा दुलानी ने 25 गेंदों पर नाबाद 44 रन की पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 4 चौके और 2 छक्के लगाए। इसके अलावा, संजना काविंदी ने 22 गेंदों पर 25 रन बनाए। कविशा दिल्हाड़ी भी 10 गेंदों पर 16 रन बनाकर नाबाद रहीं। कप्तान हर्षिता समरविक्रमा शून्य और विकेटकीपर कौशानी 3 रन बनाकर आउट हुईं। आयरलैंड के लिए किया मैक्कार्थी और कारा मर्रे ने 2-2 विकेट लिए। श्रीलंका की विश्मी गुणारत्ने प्लेयर ऑफ द सीरीज और सत्या संदीपनी प्लेयर ऑफ द मैच रहीं। आईसीसी ने नवंबर 2025 में दुनिया भर में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने और उभरती टीमों को उच्च-स्तरीय अनुभव देने के लिए इस टी20 टूर्नामेंट की शुरुआत की थी। थाईलैंड ने नवंबर 2025 में हुए पहले संस्करण का खिताब जीता था। महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने और मजबूत बनाने के लिए आईसीसी द्वारा शुरू किया गया यह टूर्नामेंट बेहद अहम और रोमांचक है।

मैनचेस्टर सिटी और नेपोली के बीच मैच 2-2 से ड्रॉ

मैनचेस्टर । मैनचेस्टर सिटी को एतिहाद स्टेडियम में यूईएफए चैंपियंस लीग के मुकाबले में नेपोली के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेलना पड़ा। रेयान चेर्की के 86वें मिनट में किए गए गोल से सिटी घर में हार से बच सकी। सिटी इस मैच में दो बार पिछड़ी, लेकिन दोनों बार वापसी करते हुए एक अंक हासिल किया। इस ड्रॉ से सिटी की हालिया खराब फॉर्म को लेकर चिंता कम नहीं हुई है। टीम ने सभी प्रतियोगिताओं में अपने पिछले सात मैचों में सिर्फ एक जीत हासिल की है। मेजबान टीम ने अटैकिंग अंदाज में शुरुआत की। इलियट एंडरसन ने शुरुआती

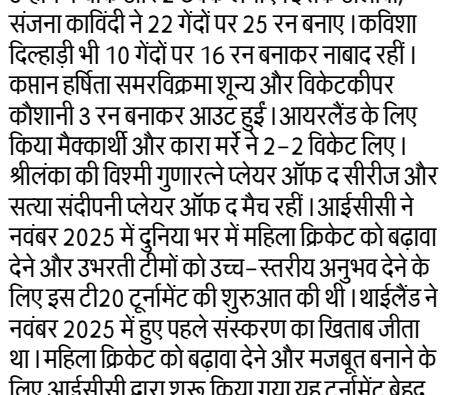

दो मिनट में ही नेपोली के गोलकीपर वांजा मिलिंकोविक-सैविक को परखा। इसके बाद निको ओ 'रेली का हेडर क्रॉसबार के ऊपर चला गया। शुरुआती दबाव के बाद नेपोली ने धीरे-धीरे मैच में पकड़ बनाई। सिटी के पूर्व मिडफील्डर केविन डी ब्रुइन ने मेहमान टीम के अटैक को संभाला। हाफटाइम से ठीक पहले सैम बेउकेमा के हेडर को जियानलुइगी डोनारुम्मा ने शानदार सेव कर बचा लिया। 55वें मिनट में नेपोली ने बढ़त बना ली। रैसमस होजलुंड ने मार्क गुएही को पीछे छोड़ते हुए दमदार लो शॉट से डोनारुम्मा को छकाया। सिटी के कोच ने जेरेमी डोकू को मैदान में उतारा और इसका फौरन फायदा मिला। डोकू के बनाए मौके पर अय्यूब बौआदी ने 66वें मिनट में सिटी के लिए अपना पहला गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग: पहले शीर्ष दो स्थानों पर ब्रुक और रूट का कब्जा

गिल-जायसवाल की छलांग

आईसीसी की ताजा टेस्ट बल्लेबाज रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार सुधार करते हुए अपनी स्थिति मजबूत की है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने लंबी छलांग लगाकर शीर्ष दस में जगह बनाई है, जबकि ऋषभ पंत भी एक स्थान ऊपर पहुंचे हैं। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है। शीर्ष स्थान पर इंग्लैंड के हैरी ब्रूक और दूसरे नंबर पर जो रूट कायम हैं। नई रैंकिंग में भारतीय बल्लेबाजों की बढ़ती मौजूदगी टेस्ट क्रिकेट में उनके प्रदर्शन और निरंतरता को दर्शाती है।



नई दिल्ली । आईसीसी ने टेस्ट बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग बुधवार को जारी की। बल्लेबाजों की रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा, भारतीय कप्तान शुभमन गिल और भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को बड़ा फायदा हुआ है। आईसीसी की ताजा रैंकिंग में इंग्लैंड के हैरी ब्रूक पहले, इंग्लैंड के कप्तान जो रूट दूसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा को एक स्थान का फायदा हुआ है। वह तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड को एक स्थान का घाटा हुआ है। हेड चौथे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ पांचवें स्थान पर हैं। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत एक स्थान की छलांग के साथ छठे और भारतीय कप्तान शुभमन गिल तीन स्थान की छलांग के साथ सातवें स्थान पर हैं।
न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र को 2 स्थान का नुकसान हुआ है। वह आठवें स्थान पर हैं। भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 5 स्थान की छलांग के साथ नौवें और अफगानिस्तान के कप्तान रहमत शाह 2 स्थान के नुकसान के साथ दसवें स्थान पर हैं।
दक्षिण अफ्रीका के ryan रिकेल्टन 10 स्थान की छलांग के साथ 16वें और न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स 13 स्थान की छलांग लगाते हुए 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं।
शीर्ष 10 गेंदबाजों की रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क पहले स्थान पर, भारत के जसप्रीत बुमराह तीन स्थान की छलांग लगाते हुए दूसरे, इंग्लैंड के ओली रॉबिनसन दो स्थान की छलांग लगाते हुए तीसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के मार्को जानसेन और न्यूजीलैंड के मैट हेनरी को दो-दो स्थान का नुकसान हुआ है। दोनों क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा दो स्थान की छलांग लगाते हुए छठे, दक्षिण अफ्रीका के सिमरोन हार्मर सातवें, ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट बोलैंड दो स्थान के नुकसान के साथ आठवें, ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस नौवें और ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड दसवें स्थान पर हैं।



'डफी एक 'क्लासी बॉलर', हम उन्हें लेकर चिंतित नहीं': मैट हेनरी



नई दिल्ली । भारत के साथ वेलिंगटन में खेले गए पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी पूरी तरह प्रभावहीन रहे थे। डफी ने 33 ओवर में 201 रन लुटाकर महज 1 विकेट लिया था। इस प्रदर्शन के बाद आलोचना का शिकार हुए डफी को टीम के सीनियर तेज गेंदबाज मैट हेनरी का समर्थन मिला है। मैट हेनरी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'जैकब डफी एक 'क्लासी बॉलर' हैं। उन्होंने इतने सालों में दिखाया है कि वह पूरी तरह से टीम के बारे में सोचते हैं। जब हम सुझाव देते हैं कि शायद हम यहां एक प्लान बनाएं, तो वह अपने निजी आंकड़ों के बारे में चिंतित नहीं होते।' हेनरी ने कहा, 'डफी की स्किल पर कोई सवाल नहीं है। हमारे लिए, ऐसे पल थे जब हमें किसी ऐसे खिलाड़ी की जरूरत थी जो एक अलग प्लान आजमा सके, और वह ऐसा करने के लिए तैयार था। मुझे लगता है कि शायद यही टीम की क्वालिटी है। यह नतीजे की चिंता नहीं है, बल्कि यह है कि आप गेम पर कैसे असर डालने की कोशिश कर रहे हैं। मुझे लगता है कि पिछले कुछ सालों में यह दिखा है, उसके ऐसे माइंडसेट की वजह से उसके असर मैच जिताने वाले रहे हैं। इसलिए हम उसे लेकर ज्यादा परेशान नहीं हैं।'
उन्होंने कहा कि बेसिन रिजर्व पर गेंद बहुत कम स्लिप तक जा पाती थी। इस वजह से डफी को आंकड़ों की परवाह किए बिना बाउंसर फेंकने के लिए कहा गया था और उन्होंने यही किया।

बीसीसीआई ने दी जानकारी

आईपीएल 2027 की नीलामी के लिए 1,220 खिलाड़ियों के नाम दर्ज



नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बताया है कि आईपीएल 2027 के लिए होने वाली खिलाड़ियों की नीलामी के लिए ऑक्शन रजिस्टर में कुल 1,220 खिलाड़ियों के नाम दर्ज हैं। इसमें 939 भारतीय खिलाड़ी हैं, जबकि 281 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। विदेशी खिलाड़ी 17 अलग-अलग देशों से संबंध रखते हैं। आईपीएल 2027 के लिए होने वाली नीलामी से पहले सभी 10 फ्रेंचाइजियों ने 184 खिलाड़ियों को रिटेन कर लिया है या चुन लिया है। नीलामी में ज्यादा से ज्यादा 66 स्लॉट्स भरे जा सकते हैं, जिनमें 25 विदेशी खिलाड़ी हो सकते हैं। रजिस्टर में 184 कैप्ड प्लेयर्स, 994 अनकैप्ड प्लेयर्स और एसोसिएट नेशंस के 42 प्लेयर्स शामिल हैं। अनकैप्ड प्लेयर्स में 925 इंडियन हैं, जिनमें 127 ऐसे हैं जो पिछले आईपीएल सीजन में खेल चुके हैं। ओवरसीज रजिस्ट्रेशन में ऑस्ट्रेलिया 53 खिलाड़ियों के साथ सबसे आगे है। उसके बाद साउथ अफ्रीका (40), वेस्टइंडीज (36), न्यूजीलैंड (25) और अफगानिस्तान (23) हैं।

इस लिस्ट में एसोसिएट नेशंस के खिलाड़ी भी हैं, जिसमें यूएसए ने 13 रजिस्ट्रेशन किए हैं। उसके बाद यूएई और नेपाल ने 10-10 रजिस्ट्रेशन किए हैं। फ्रेंचाइजी अब ऑक्शन रजिस्टर से उन खिलाड़ियों के नाम सबमिट करेंगी, जिन्हें वे फाइनल प्लेयर पूल में शामिल करना चाहते हैं। फाइनल ऑक्शन लिस्ट, प्लेयर सेट के साथ, 4 दिसंबर को जारी की जाएगी।

आईपीएल 2027 के लिए नीलामी 16 दिसंबर 2026 को सुबह 11 बजे से गोवा में होगी। अगले सीजन के लिए खिलाड़ियों को रिटेन करने की आखिरी तिथि 17 नवंबर थी। रिटेंशन से पहले कुछ बड़े ट्रेड देखने को मिले। 2024 से 2026 तक मुंबई इंडियंस की कप्तानी करने वाले हार्दिक पांड्या अब पंजाब किंग्स का हिस्सा हैं। वहीं, 2019 से पंजाब किंग्स का हिस्सा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह अब मुंबई इंडियंस से जुड़ चुके हैं।

हर्षल पटेल अब सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) की जगह गुजरात टाइटंस का हिस्सा होंगे, जबकि टी. नटराजन डीसी की जगह एसआरएच में पहुंच गए हैं। मोहम्मद शमी एलएसजी से राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और सैम करन आरआर से एलएसजी में पहुंच चुके हैं। इससे पहले ट्रेड के माध्यम से ऋषभ पंत लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) से दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और कुलदीप यादव डीसी से एलएसजी में जा चुके हैं।

सुपर 90: 3 दिसंबर से शुरू होगा चौथा सीजन

गेल, हेल्स, रॉय, हसन जैसे स्टार खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

नैरोबी । पूर्व इंटरनेशनल स्टार क्रिस गेल, शाकिब अल हसन, जेसन रॉय, एलेक्स हेल्स, तिलकरत्ने दिलशान, शॉन मार्श, फैबियन एलन और कार्लोस ब्रैथवेट 3 दिसंबर को केन्या के नैरोबी में शुरू होने वाले सुपर 90 सीजन 4 में मुख्य आकर्षण होंगे। टूर्नामेंट के चौथे एडिशन में कई जाने-माने इंटरनेशनल क्रिकेटरों वाली सात फ्रेंचाइजी एक साथ आएंगी, जिससे 12 दिनों तक रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे। इस कॉम्पिटिशन में 22 मैच होंगे। फाइनल 14 दिसंबर को होगा। वेस्टइंडीज के क्रिस गेल पंजाब टाइटन्स के लिए आकर्षण का केंद्र होंगे, जबकि बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन लंदन जायंट्स के लिए खेलेंगे। इंग्लैंड के जेसन रॉय और एलेक्स हेल्स क्रमशः मेरू थंडर्स और नैरोबी लायंस की तरफ से खेलेंगे।

श्रीलंका के पूर्व कप्तान तिलकरत्ने दिलशान भी ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर शॉन मार्श के साथ टूर्नामेंट में अपना अनुभव लेकर आएंगे। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर फैबियन एलन और कार्लोस ब्रैथवेट इंटरनेशनल लाइनअप को और मजबूत करेंगे। टूर्नामेंट में कई और जाने-माने इंटरनेशनल नाम भी होंगे, जिनमें एविन लुईस, क्रिस लिन, इमाद वसीम, महमूदुल्लाह, वेन पार्नेल, रवि बोपारा, अंबाती रायुडू, मिशेल जॉनसन और समित पटेल शामिल हैं.

शिअद-भाजपा सरकार बनी तो पंजाब फिर होगा खुशहाल और नशामुक्त



मुंबई । पूर्व भारतीय क्रिकेटर और राज्यसभा सदस्य हरभजन सिंह ने दावा किया है कि अगर पंजाब में शिअद-भाजपा की गठबंधन वाली सरकार बनी तो प्रदेश फिर से खुशहाल बनेगा, नशे से मुक्त होगा। हरभजन सिंह ने कहा कि मैं अपनी ओर से पंजाब के सभी लोगों को बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं। दोनों दलों के बीच यह एक बहुत ही सकारात्मक दिशा में उठाया गया कदम है। पंजाब को बेहतर शासन की जरूरत है, एक ऐसी सरकार की जो वास्तव में राज्य की देखभाल कर सके। वर्तमान की सरकार में कई वर्षों से पंजाब से किए गए वादे पूरे नहीं हुए हैं। मेरा हमेशा से यह मानना रहा है और मैंने कई बार कहा भी है कि जब केंद्र और राज्य दोनों जगहों पर एक ही पार्टी की सरकार होती है तो विकास के काम कहीं ज्यादा बेहतर तरीके से हो सकते हैं।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

निविदा सं.: 98265847 दिनांक: 25.11.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, छावनी-133001 द्वारा समरणकार्ताओं से निम्नलिखित मद के लिए इलेक्ट्रॉनिक निविदा प्रणाली के अंतर्गत भण्डार की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई-निविदा सं.	विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि एवं समय	बयाना राशि (रु.)
98265847	संलग्न कार्य-क्षेत्र (scope of work) के अनुसार "15 टन (15/06) EOT क्रेन" की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग; जिसमें VVVF ड्राइव, 25 मीटर स्पैन, मॉड्यूलर क्रैब के साथ डबल गर्डर, ड्रैग चेन युक्त ऑल-मोशन ड्राइव कंट्रोल पैनल शामिल है।	01 Nos.	10.12.2026 at 11:00 hrs.	1,38,180 /-

नोट: 1) विक्रेता विवरण के लिए IREPS website i.e. www.ireps.gov.in पर जा सकते हैं।
2) किसी भी मैन्युअल ऑफर पर विचार नहीं किया जायेगा। 4092/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

न्यूज डायरी

बेदी ने किया अकाली दल - भाजपा गठबंधन का स्वागत

पंचकूला: शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी के गठबंधन की खबर मिलते ही शिरोमणि अकाली दल पंचकूला, हरियाणा में खुशी की लहर दौड़ गई।शिरोमणि अकाली दल के वर्करों ने एक-दूसरे को बधाई दी और मिठाई खिलाकर एक-दूसरे का मुंह मीठा करवाया।इस अवसर पर शिरोमणि अकाली दल के जिलाध्यक्ष मलविंदर सिंह बेदी ने कहा कि इस गठबंधन से शिरोमणि अकाली दल व बीजेपी पंजाब के आने वाले विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल करेंगे।बेदी ने कहा कि इस गठबंधन से हरियाणा में भी शिरोमणि अकाली दल और बीजेपी का आधार मजबूत होगा। हमारी पूरी शिरोमणि अकाली दल हरियाणा टीम पंजाब चुनाव में कंधे से कंधा मिलाकर काम करेगी और अकाली दल - भाजपा गठबंधन को जीत दिलवाएगी।

नगर निगम के कार्यों में टाला जा सकने वाला खर्च

जगदीप, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़। रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन, MHC सेक्टर-13 के अध्यक्ष कर्नल गुरसेवक सिंह (युद्ध के अनुभवी सैनिक) ने नगर निगम आयुक्त श्री अमित कुमार को पत्र लिखकर MHC में पेवर ब्लॉक लगाने के चल रहे काम में हुए टाले जा सकने वाले खर्च की ओर उनका ध्यान दिलाया है।उन्होंने बताया कि ब्लॉक 5205-5210 के प्रवेश द्वार पर, नई बनी सड़क के बराबर स्तर उठाने के लिए पुराने पेवर ब्लॉक हटाए गए। ये ब्लॉक रेत पर लगे थे और अच्छी हालत में थे, इसलिए इन्हें आसानी से दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता था। लेकिन इन्हें हटाकर उसी आकार और डिज़ाइन के नए ब्लॉक लगा दिए गए।अध्यक्ष ने कहा कि पुराने ब्लॉकों को दोबारा इस्तेमाल करने से जनता का पैसा, सामान और समय बचता, और लंबे समय तक चल रहे काम से निवासियों को हो रही परेशानी भी कम होती।उन्होंने जोर देकर कहा कि बेहतर योजना बनाकर और नागरिक कार्यों में स्थानीय RWAs को शामिल करके इस तरह के बेकार खर्च को रोका जा सकता है।

कर्नल गुरसेवक सिंह ने आयुक्त से अनुरोध किया है कि वे इस मामले को देखें और जनता के पैसे और संसाधनों का सही इस्तेमाल सुनिश्चित करने के लिए उचित निर्देश जारी करें।

15 दिसंबर को मुख्यमंत्री तीर्थयात्रियों की ट्रैन को हरी झंडी दिखा कर करेंगे रवाना

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत प्रदेश के बुजुर्ग श्रद्धालुओं को 15 दिसंबर को 4 दिवसीय निःशुल्क वाराणसी तीर्थ यात्रा करवाएगी। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी इस विशेष ट्रैन को हरीझंडी दिखाकर रवाना करेंगें। यात्रा के लिए पात्र श्रद्धालुओं से आवेदन आमंत्रित करने हेतु पोर्टल खोल दिया गया है ।

इस संबंध में सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के निदेशक डॉ आदित्य दहिया ने सभी पात्र लाभार्थियों से अपील की है कि वो यथाशीघ्र अपना रजिस्ट्रेशन करवा लें। रजिस्ट्रेशन सरल पोर्टल पर https://saralharyana.gov.in पर किया जा रहा है।

डॉ आदित्य दहिया ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा आगामी दिनों में विशेष रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को वाराणसी के प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शन करवाए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि रेल यात्रा के दौरान प्रत्येक श्रद्धालु को पर्यटक किट भी उपलब्ध करवाई जाएगी। इस योजना का लाभ 60 वर्ष या इससे अधिक आयु के बुजुर्ग श्रद्धालु उठा सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत इससे पहले प्रदेश के श्रद्धालुओं को अयोध्या तथा महाराष्ट्र स्थित श्री हजूर साहिब, नांदेड़ की निःशुल्क तीर्थ यात्रा करवाई जा चुकी है। योजना के तहत पात्रता के लिए श्रद्धालु के परिवार की वार्षिक आय 1 लाख 80 हजार रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। इच्छुक पात्र श्रद्धालु पोर्टल खुलने के बाद ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

27 नवंबर तक एचटेट अभ्यर्थी कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी के अध्यक्ष डॉ० शंकर लाल धूपड़ ने बताया कि शिक्षा बोर्ड द्वारा हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा-2026 (एचटेट) लेवल-1, 2 व 3 का आयोजन 26 व 27 दिसंबर, 2026 को किया जा रहा है।

इच्छुक अभ्यर्थी बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट www.bseh.org.in पर दिए गए लिंक के माध्यम से महत्वपूर्ण निर्देशों को ध्यान से पढक़र/समझकर 27 नवंबर, 2026 (रात्रि 11:59 बजे) तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऐसे अभ्यर्थी जिन द्वारा ऑनलाइन आवेदन किए गए हैं, परंतु अभी तक शुल्क जमा नहीं करवाया गया है, वे आवेदन की अंतिम तिथि 27 नवंबर, 2026 से पूर्व अपना शुल्क जमा करवाते हुए आवेदन प्रक्रिया तत्काल पूर्ण करना सुनिश्चित करें। ऑनलाइन आवेदन व परीक्षा शुल्क के सफलतापूर्वक जमा करने के बाद अभ्यर्थी पुष्टिकरण पृष्ठ (Confirmation Page) का प्रिंट लेना सुनिश्चित कर लें।

श्री धूपड़ ने बताया कि एचटेट-2026 परीक्षा के लिए आवेदन 18 नवंबर, 2026 से लाईव किए जा चुके हैं। परीक्षा से संबन्धित सूचना बुलेटिन (Information Bulletin) बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट www.bseh.org.in पर उपलब्ध है। ऑनलाइन आवेदन करने से पूर्व अभ्यर्थी सूचना बुलेटिन (Information Bulletin) में दर्शाए गए महत्वपूर्ण निर्देशों को ध्यान से पढक़र/समझकर अपनी पात्रता सुनिश्चित कर लें। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी 28 व 29 नवंबर, 2026 को अपने विवरणों में ऑनलाइन संशोधन कर सकते हैं। 27 नवंबर, 2026 उपरांत ऑनलाइन आवेदन तथा 29 नवंबर, 2026 उपरांत विवरण सुधार की अनुमति नहीं होगी। इस सन्दर्भ में कोई भी प्रार्थना पत्र/प्रतिवेदन किसी भी माध्यम से स्वीकार नहीं किया जाएगा। अभ्यर्थी नवीनतम अपडेट के लिए वेबसाइट www.bseh.org.in का नियमित तौर पर अवलोकन करते रहें ताकि वे किसी भी महत्वपूर्ण व अति-आवश्यक जानकारी/सूचना से वंचित न रह जाएं।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने भाजपा नेता दीप सैनी के आवास पर पहुंचकर जताया शोक



चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बुधवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता दीप सैनी के पिता पूर्व सरपंच रणबीर सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने परिवार के सदस्यों से बातचीत कर उन्हें इस दुख की घड़ी में धैर्य रखने की सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने परिवार के सदस्यों को ढांढस बंधाया और कहा कि ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और परिवार को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।

हरियाणा में वैश्विक निवेश को मिलेगी नई गति: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल जाएगा यूके और जर्मनी दौरे पर

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा में वैश्विक निवेश को बढ़ावा देने और प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक एवं निवेश मानचित्र पर और अधिक सशक्त पहचान दिलाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल 28 नवंबर से 5 दिसंबर, 2026 तक यूनाइटेड किंगडम (यूके) और जर्मनी के दौरे पर रहेगा। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल प्रमुख वैश्विक कंपनियों, निवेशकों, प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों, अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी संस्थानों तथा विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ व्यापक विचार-विमर्श करेगा। प्रतिनिधिमंडल में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री राव नरबीर सिंह सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल रहेंगे।



उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि हरियाणा सरकार प्रदेश को वैश्विक निवेश के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी दिशा में पहले भी मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल जापान, सिंगापुर और स्वीडन का दौरा कर चुका है। इन दौरों के दौरान विभिन्न कंपनियों के साथ निवेश, औद्योगिक सहयोग और साझेदारी को लेकर एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं और लगभग 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक के महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर निवेश के लिए सहमति बनी है। इसी कड़ी में अब प्रतिनिधिमंडल यूनाइटेड किंगडम (यूके) और जर्मनी के दौरे पर जा रहा है।

डॉ. अमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि यूके दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल विभिन्न बिजनेस लीडर्स, वैश्विक निवेशकों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ संवाद करेगा। इसके अतिरिक्त, सी.आई.आई. के प्रतिनिधिमंडल के साथ भी हरियाणा में निवेश की संभावनाओं और औद्योगिक सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री हरियाणा मूल के प्रवासी भारतीयों से भी संवाद करेंगे और उन्हें प्रदेश की विकास यात्रा से जुड़ने तथा हरियाणा में निवेश के माध्यम से राज्य की आर्थिक प्रगति में सहभागी बनने के लिए आमंत्रित करेंगे।

उन्होंने बताया कि 30 नवंबर और 1 दिसंबर को मुख्यमंत्री विभिन्न प्रमुख उद्योगों, कंपनियों और शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ वन-टू-वन बैठकें करेंगे। इसके साथ ही भारत-यूके व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (CETA) के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में व्यापार एवं निवेश की संभावनाओं को लेकर विशेष राउंडटेबल बैठकें आयोजित की जाएंगी। इन बैठकों में शिक्षा, कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तृत चर्चा होगी और विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री यूके के सांसदों एवं अन्य प्रमुख प्रतिनिधियों को हरियाणा आने तथा अप्रैल 2027 में प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भाग लेने के लिए आमंत्रित करेंगे।

गुरु रविदास जी के समरसता संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनी समरसता संकल्प यात्रा : डॉ. अर्चना गुप्ता



शाहबाद मारकण्डा। सदुरु श्री रविदास जी महाराज के 650वें जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित समरसता संकल्प यात्रा का शाहबाद मारकण्डा में श्री रविदास सभा के प्रतिनिधियों एवं श्रद्धालुओं ने भव्य स्वागत किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने सदुरु श्री रविदास जी महाराज के दिव्य स्वरूप पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। यात्रा के दौरान आमजन में विशेष उत्साह देखने को मिला और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने यात्रा में सहभागिता की।

श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि सदुरु श्री रविदास जी महाराज ने अपनी वाणी, विचारों और जीवन दर्शन से संपूर्ण मानवता को समानता, प्रेम, सद्भाव और सामाजिक समरसता का मार्ग दिखाया। उनकी शिक्षाएं जाति-पाति, ऊंच-नीच और भेदभाव से ऊपर उठकर प्रत्येक व्यक्ति को समान सम्मान देने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि सदुरु श्री रविदास जी महाराज की बेगमपुरा की परिकल्पना ऐसे आदर्श समाज का दर्शन है, जहां न भेदभाव हो, न भय हो, न असमानता हो और प्रत्येक व्यक्ति सम्मान एवं स्वतंत्रता के साथ जीवन व्यतीत कर सके। उनका संदेश केवल आध्यात्मिक चेतना तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और मानव कल्याण का भी सशक्त आधार है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि समरसता संकल्प यात्रा समाज की सभी 36 बिरादरियों को एकता, भाईचारे और परस्पर सम्मान के सूत्र में पिरोने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। यात्रा के प्रति आमजन का उत्साह और श्रद्धा इस बात का प्रमाण है कि सदुरु श्री रविदास जी महाराज के विचार आज भी समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

हरियाणा में आधार सेवाओं की पहुंच होगी और आसान, UIDAI ने 17 आधार सेवा केंद्र किए स्थापित

चंडीगढ़– भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ द्वारा हरियाणा के नागरिकों को आधार सेवाएं सुगमता से उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से प्रदेश में 17 आधार सेवा केंद्र (ASK) संचालित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न जिलों और आसपास के क्षेत्रों के निवासियों को आधार से संबंधित सेवाएं उनके नजदीक ही उपलब्ध हो रही हैं। इससे नागरिकों को सामान्य आधार संबंधी कार्यों के लिए अनावश्यक रूप से UIDAI के क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ तक आने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

UIDAI द्वारा स्थापित ये आधार सेवा केंद्र हिसार, गुरुग्राम, सोनीपत, यमुनानगर, अंबाला, कुरुक्षेत्र, फतेहाबाद, सिरसा, कैथल, भिवानी, पानीपत, मेवात (नूंह), जींद, झज्जर, करनाल, रोहतक और पलवल में स्थित हैं। इन केंद्रों का उद्देश्य नागरिकों को आधार सेवाओं के लिए अतिरिक्त सुविधा और आसान पहुंच उपलब्ध करवाना है। नागरिक अपने निवास स्थान के नजदीक स्थित आधार सेवा केंद्र पर जाकर सुविधानुसार सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। ये केंद्र पहले से संचालित अन्य आधार नामांकन एवं अपडेट केंद्रों के अतिरिक्त सुविधा केंद्र के रूप में कार्य कर रहे हैं। हिसार का आधार सेवा केंद्र SCO-43, प्रथम तल, सेक्टर-13, मेन पार्किंग, तोशाम रोड, डाबचौक के नजदीक स्थित है। गुरुग्राम में यह प्लॉट नंबर 804, प्रथम तल, चक्करपुर मेन मार्केट रोड, सरस्वती विहार, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में है। सोनीपत में U-38, ओल्ड महावीर कॉलोनी, पुरखास रोड, HP पेट्रोल पंप के नजदीक, यमुनानगर में SCO नंबर 3/4, आनंद कॉलोनी, गाबा अस्पताल के नजदीक, अंबाला में SCO-19, हुडा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, सेक्टर-9 तथा कुरुक्षेत्र में SCO-94, सेक्टर-17, हुडा में आधार सेवा केंद्र संचालित हैं। इसी प्रकार फतेहाबाद में स्ट्रीट नंबर-3, सूर्या एन्क्लेव, बैंक ऑफ महाराष्ट्र के नजदीक, सिरसा में ओल्ड कोर्ट कॉलोनी, ट्रैफिक थाने के सामने, कैथल में मध्य मार्ग, नेहरू गार्डन कॉलोनी, गली नंबर-8 के नजदीक, भिवानी में SCO-3, हुडा मार्केट तथा पानीपत में जाटल रोड, संजय चौक के नजदीक आधार सेवा केंद्र स्थित हैं।

26 नवम्बर को सेक्टर-20 के संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में होगी सिविल डिफेंस मॉक एक्सरसाइज

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। जिला कमांडेंट होम गार्ड श्री गगनदीप सिंह ने बताया कि भूकंप एवं किसी भी आपातकालीन आपदा की स्थिति में प्रशासनिक तैयारियों, सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय तथा आम नागरिकों की सुरक्षा एवं बचाव क्षमताओं का आकलन और उन्हें सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सिविल डिफेंस मॉक एक्सरसाइज का आयोजन 26 नवम्बर को दोपहर 1 बजे राजकीय संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-20 में किया जाएगा।

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा के मार्गदर्शन में कमांडेंट श्री गगन दीप सिंह ने सिविल डिफेंस मॉक एक्सरसाइज की तैयारियों को लेकर उपायुक्त कार्यालय की नई बिल्डिंग के कार्यालय में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को मॉक एक्सरसाइज के सफल एवं प्रभावी आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने दमकल विभाग, लोक निर्माण विभाग, नगर निगम पंचकूला, आपदा प्रबंधन विभाग, हरियाणा राज्य परिवहन पंचकूला, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, सिविल डिफेंस पंचकूला तथा जिला के सभी विभागाध्यक्षों को मॉक एक्सरसाइज के लिए आवश्यक तैयारियां एवं समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि सिविल डिफेंस मॉक एक्सरसाइज का आयोजन 26 नवम्बर को दोपहर 1 बजे सेक्टर-20 स्थित राजकीय संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में किया जाएगा। संपूर्ण अभ्यास उपायुक्त के निर्देशन एवं निगरानी में संपन्न होगा। इस दौरान एयर रेड वार्निंग सिस्टम, ब्लैकआउट उपाय, निकासी (इवैक्यूएशन) प्रक्रिया, रेस्क्यू ऑपरेशन, मेडिकल रिस्पॉन्स मैकेनिज्म, विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय तथा जन-जागरूकता से जुड़े पहलुओं का प्रदर्शन किया जाएगा। अभ्यास के दौरान नागरिक सुरक्षा कंट्रोल रूम को हॉटलाइन के माध्यम से सूचना प्राप्त होगी। एयर रेड की सूचना आमजन को सायरन के माध्यम से दी जाएगी, जिसके उपरांत घटनास्थल से घायलों का रेस्क्यू किया जाएगा। इस अभ्यास में सिविल डिफेंस एवं सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स, आपदा मित्र तथा होम गार्ड के स्वयंसेवक भाग लेंगे।

उन्होंने बताया कि घटना की सूचना प्राप्त होते ही सभी आपातकालीन सेवाएं सर्च एवं रेस्क्यू अभियान के लिए लघु सचिवालय पहुंचेंगी। सेक्टर-20 के संस्कृति स्कूल में फर्स्ट एड पोस्ट स्थापित की जाएगी। घटनास्थल से घायलों को रेस्क्यू कर फर्स्ट एड पोस्ट तक लाया जाएगा तथा गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल, सेक्टर-6 भेजा जाएगा। इस दौरान एंबुलेंस, प्राथमिक उपचार एवं मेडिकल राहत की समुचित व्यवस्था रहेगी।

हरियाणा अनुबंध कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा के सम्बन्ध में संस्थाओं की पहचान के लिए समिति का पुनर्गठन

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। 'हरियाणा सरकार ने हरियाणा अनुबंध कर्मचारी (सेवा सुरक्षा) अधिनियम, 2024 और नियम, 2025 के दायरे में शामिल की जाने वाली संस्थाओं की पात्रता का निर्धारण करने के लिए पांच सदस्यीय समिति का पुनर्गठन किया है।

इस संबंध में मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा आदेश जारी किए गए हैं। यह समिति अधिनियम की धारा 2(एफ) के तहत प्राधिकरण की परिभाषा में विभिन्न संस्थाओं को शामिल करने के लिए विशिष्ट एवं वस्तुनिष्ठ पात्रता मानदंड निर्धारित करेगी। इसके साथ ही, समिति अधिनियम के दायरे में आने के लिए पात्र संस्थाओं की प्रमाणित सूची भी तैयार करेगी।

पुनर्गठित समिति की अध्यक्षता वित्त एवं योजना विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव करेंगे, जबकि संबंधित संगठन के प्रशासनिक सचिव समिति के सदस्य होंगे। मानव संसाधन विभाग के विशेष सचिव को समिति का सदस्य सचिव नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त, महाधिवक्ता, हरियाणा का प्रतिनिधि, जो अतिरिक्त महाधिवक्ता से नीचे के पद का नहीं होगा, समिति में विधिक सदस्य के रूप में शामिल होगा। भारतीय मजदूर संघ के प्रतिनिधि श्री पवन कुमार को भी समिति का सदस्य बनाया गया है।

अवैध शराब, खनन और बिजली चोरी पर हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो सख्त, करोड़ों रुपये का जुर्माना वसूला

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। बुधवार को शक्ति भवन, पंचकूला के सभागार में पुलिस महानिदेशक श्री अजय सिंघल की प्रेरणा से अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डॉ. एम. रवि किरण की अध्यक्षता में मंथली एक्शन प्लान के तहत सभी संबंधित विभागों के नोडल अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई।

समीक्षा बैठक के बाद मीडिया से रूबरू होते हुए हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डॉ. एम. रवि किरण ने कहा कि ब्यूरो ने विशेष अभियान चलाकर अवैध शराब की बिक्री एवं अवैध खनन पर रोक लगाने में सफलता हासिल की है। बिजली चोरी एवं पानी चोरी के खिलाफ भी सघन अभियान जारी है। अनधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ पारदर्शी अनुसंधान सुनिश्चित करने के लिए सभी अनुसंधान अधिकारियों को समय-समय पर विशेष हिदायतें जारी की जा रही हैं।

उन्होंने बताया कि बैठक में बिजली विभाग के नोडल अधिकारी को निर्देश दिए गए हैं कि जिस व्यक्ति के खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज किया जाता है, उसका बिजली कनेक्शन तत्काल निरस्त किया जाए। खनन नियंत्रण अभियान के दौरान खनन विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित किया जाए और उनकी उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए।

आबकारी विभाग को सख्त निर्देश जारी करते हुए ए.डी.जी.पी. डॉ. रवि किरण ने कहा कि शराब की तस्करी रोकने के लिए निरंतर अभियान चलाया जाए। वहीं, सिंचाई विभाग के नोडल अधिकारी को निर्देश दिए गए कि लंबित मामलों का यथाशीघ्र निपटान किया जाए। अनधिकृत कॉलोनियों में अवैध निर्माण की पहचान कर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

अब तक की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 में अवैध शराब के खिलाफ चलाए गए अभियान के तहत 234 लीटर कच्ची शराब, 2,306 लीटर अंग्रेजी शराब, 6,099 लीटर देशी शराब और 858 लीटर बीयर जब्त की गई है।

इसी प्रकार, अवैध खनन पर नियंत्रण के लिए चलाए गए अभियान के तहत कुल 9.93 करोड़ रुपये की जुर्माना राशि वसूल की गई। बिजली चोरी रोकने के लिए चलाए गए अभियान के अंतर्गत बिजली चोरी करने वालों से कुल 140.72 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया। इसके साथ ही पानी चोरी के खिलाफ चलाए गए अभियान के तहत 26.62 लाख रुपये की जुर्माना राशि वसूल की गई।

विश्वास फाउंडेशन के सहयोग से जिला बार एसोसिएशन पंचकूला में रक्तदान शिविर आयोजित, अधिवक्ताओं सहित अन्य लोगों ने भी बढ़-चढ़कर किया रक्तदान

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। जिला बार एसोसिएशन पंचकूला परिसर में आज विश्वास फाउंडेशन की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पंचकूला श्री संजय संधीर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।



इस अवसर पर जिला बार एसोसिएशन पंचकूला के अध्यक्ष श्री गौरव शर्मा एडवोकेट, सचिव श्री अमित मोर, उपाध्यक्ष श्रीमती सोनिया सैनी एवं संयुक्त सचिव श्रीमती दीक्षा शर्मा सहित बार एसोसिएशन के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि श्री संजय संधीर ने रक्तदान शिविर की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का एक महान कार्य है। एक व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन देने में सहायक हो सकता है। उन्होंने सभी को सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

शिविर के दौरान अधिवक्ताओं के साथ-साथ अन्य लोगों ने भी पूरे उत्साह के साथ स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस शिविर में कुल 52 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। रक्तदान करने वाले अधिवक्ताओं में श्री प्रमोद भारद्वाज एडवोकेट, श्री मनोज अरोड़ा एडवोकेट, श्री सौरभ शर्मा (पूर्व सचिव), श्री विकास आर्य, श्री शिवम गौड़, श्री अमनदीप धामी, श्री माजर शर्मा, श्री संदीप बूरा, सुश्री आस्था शर्मा, श्री पीयूष गिल, श्री रोहित आनंद, श्री वरिंद भारद्वाज, श्री विनोद त्रिपाठी, श्री लविष शिकन, श्री धीरज वैरागी, श्री प्रदीप गुप्ता एवं श्री दिनेश सैनी एडवोकेट सहित अन्य रक्तदाता शामिल रहे।

जिला बार एसोसिएशन पंचकूला के अध्यक्ष श्री गौरव शर्मा एडवोकेट ने इस अवसर पर कहा कि रक्तदान महादान है और इससे बड़ा मानव सेवा का कोई उदाहरण नहीं हो सकता। एक स्वस्थ व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद परिवार के लिए जीवन की सबसे बड़ी उम्मीद बन सकता है।

अधिकारी सीएम अनाउंसमेंट्स को पूरा करने में लाएं तेजी: नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़-हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में रैलियों एवं अन्य कार्यक्रमों के दौरान की गई मुख्यमंत्री घोषणाओं के तहत विकास कार्य प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समयावधि में पूरे करवाए जाएं ताकि जनता को इनका समुचित लाभ मिल सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री बुधवार को चंडीगढ़ स्थित संत कबीर कुटीर में मुख्यमंत्री घोषणाओं के क्रियान्वयन एवं प्रगति को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री विपुल गोयल, सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी तथा खेल मंत्री श्री गौरव गौतम सहित अनेक विधायक उपस्थित रहे। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में संबंधित विभागों और विधायकों के बीच बेहतर समन्वय बेहद महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य से विधायकों के साथ घोषणाओं की प्रगति का आकलन किया जा रहा है, ताकि लंबित विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति का पता लगाया जा सके और उनके क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं का समाधान सुनिश्चित हो।

धुंध और कोहरे में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सभी विभाग आपसी तालमेल से करें काम : उपायुक्त सतपाल शर्मा

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। सर्दियों के मौसम में दिसंबर और जनवरी के दौरान धुंध एवं कोहरे के कारण सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे में आमजन और वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ प्रभावी कदम उठाएं और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित करें।

यह निर्देश उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने बुधवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए दिए।

इससे पहले , मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलों के उपायुक्तों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर सड़क सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की तथा सर्दियों के दौरान सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।



वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के उपरांत उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जिले में दुर्घटना संभावित स्थानों (ब्लैक स्पॉट) की पहचान कर उनका मौके पर निरीक्षण करें। इन स्थानों पर दुर्घटनाओं के कारणों का गहनता से आकलन किया जाए और सड़क की खामियों, तकनीकी कमियों तथा अन्य जोखिम वाले कारकों को दूर करने के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएं।

उपायुक्त ने कहा कि जिले की सड़कों पर सफेद पट्टियां स्पष्ट रूप से दिखाई देनी चाहिए। विशेष रूप से कोहरे की आशंका वाले क्षेत्रों में सड़क मार्किंग, रिफ्लेक्टर, दिशा सूचक बोर्ड और किलोमीटर संबंधी संकेतक दुरुस्त रखे जाएं, ताकि वाहन चालकों को दूर से ही सड़क की स्थिति और दिशा का पता चल सके। जिन सड़कों पर मरम्मत की आवश्यकता है, वहां समय रहते पैचवर्क सहित अन्य जरूरी कार्य पूरे करवाए जाएं। निर्माण एवं मरम्मत कार्यों के दौरान यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए भी उचित प्रबंध किए जाएं।

उन्होंने ओवरस्पीडिंग पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाने और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस विभाग को विशेष रूप से बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों के चालान करने के निर्देश भी दिए।

स्कूल बसों की सुरक्षा और आपातकालीन सेवाओं पर विशेष ध्यान

उपायुक्त ने स्कूल बसों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि बच्चों की सुरक्षा के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बस चालकों को कोहरे के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के प्रति जागरूक किया जा